तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 30 अगस्त 2026 ■ भाद्रपद कृष्ण पक्ष-02 ■ वर्ष -42 ■ अंक-151 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 31 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

10 मिनट के टी ब्रेक ने बचा ली 28 लोगों की जान !

नई दिल्ली,30 अगस्त। नेपाल में आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड के बीच आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के 28 तीर्थयात्री बाल-बाल बच गए। ये सभी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। सभी तीर्थयात्री सुरक्षित अपने-अपने घर लौट आए। तिरुपति की साइन इन ट्रेवल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर पेम्मासानी वेंकटरमण भी इस 28 सदस्यीय समूह का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि एक छोटी सी चाय की ब्रेक और सिर्फ 10 मिनट की देरी ने सभी 28 लोगों की जान बचा ली। वेंकटरमण ने बताया कि समूह को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास स्याब्रुबेसी जल्दी पहुंचना था। लेकिन रास्ते में चाय पीने के लिए रुकने और करीब 10 मिनट की देरी ने पूरी स्थिति बदल दी। उन्होंने बताया कि ड्राइवर को जैसे ही आपदा की जानकारी मिली, उसने तुरंत रास्ता बदला और सभी यात्रियों को सुरक्षित जगह पहुंचाया। वेंकटरमण के मुताबिक, ड्राइवर की तेजी से की गई कार्रवाई ने सभी 28 लोगों की जान बचा ली। विशाखापत्तनम के एक अन्य तीर्थयात्री कृष्णैया मुत्याला ने बताया कि उनके वीजा मिलने में हुई तीन दिन की देरी भी अनजाने में उनके लिए वरदान साबित हुई। उन्होंने बताया कि 28 यात्रियों के इस समूह में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के लोग शामिल थे। उनका कैलाश मानसरोवर जाने का कार्यक्रम था। वीजा मिलने में तीन दिन की देरी के कारण पूरी यात्रा भी तीन दिन आगे खिसक गई। कृष्णैया ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो वे उस समय स्याब्रुबेसी पुल पर होते, जब बाढ़ में वह पुल बह गया। उन्होंने कहा कि उस स्थिति में समूह के सभी लोगों की जान जा सकती थी।

नेपाल से लौटे तीर्थयात्रियों ने सुनाई खौफनाक कहानी

तिरुपति की एक अन्य तीर्थयात्री कल्पना ने नेपाल में देखे भयावह मंजर को याद किया। उन्होंने बताया कि वीजा मिलने के बाद समूह सुबह करीब 6:30 बजे होटल से निकला था। करीब 80 किलोमीटर चलने के बाद वे चाय पीने के लिए रुके। इसी दौरान ड्राइवर को आगे फ्लैश फ्लड आने का अलर्ट मिला। ड्राइवर ने तुरंत गाड़ी मोड़ी और सभी को सुरक्षित वापस ले जाने लगा। कल्पना ने बताया कि उन्होंने अपनी आंखों के सामने कई बसों को बाढ़ के तेज पानी में बहते देखा।

इनमें कोलकाता से आए तीर्थयात्रियों की दो बसें भी शामिल थीं। चारों तरफ अफरा-तफरी मची हुई थी। उन्होंने बताया कि कई गांव पूरी तरह बह गए थे या पानी से घिर गए थे। इसके बावजूद समूह ने हिम्मत बनाए रखी और ड्राइवर उन्हें सुरक्षित वापस काठमांडू के होटल तक ले आया। इस बीच, नई दिल्ली स्थित आंध्र प्रदेश भवन के अधिकारियों ने बताया कि कर्नूल जिले के भास्कर शास्त्री और तीन अन्य लोग सुरक्षित न्यालम काउंटी पहुंच गए हैं। ये सभी 144 सदस्यीय एक समूह का हिस्सा थे। अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों को कोदारी बॉर्डर के रास्ते सुरक्षित काठमांडू वापस लाने की व्यवस्था की गई है। काठमांडू से नई दिल्ली की उनकी वापसी उड़ान 1 सितंबर के लिए कन्फर्म हो गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वे विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर नेपाल में फंसे आंध्र प्रदेश के अन्य लोगों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए लगातार समन्वय कर रहे हैं।

ताशकंद में पीएम मोदी ने योग कार्यक्रम में लिया हिस्सा

उज़्बेकिस्तान, 30 अगस्त। पीएम मोदी इस समय उज़्बेकिस्तान के दौरे पर हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ताशकंद में योग फेडरेशन ऑफ उज्बेकिस्तान की ओर से आयोजित एक योग सत्र में हिस्सा लिया. इस दौरान पीएम मोदी लोगों को योगा करवाते हुए नजर आए. इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद प्रतिभागियों से बातचीत भी की. प्रधानमंत्री के दौरे का मुख्य मकसद भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच रिश्तों को और मजबूत करना है. आज, प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय आधिकारिक राजकीय यात्रा पर ताशकंद पहुंचे हैं. उज्बेकिस्तान दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया गया. यात्रा के पहले दिन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने 'योग फेडरेशन ऑफ उज्बेकिस्तान' द्वारा आयोजित एक विशेष योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

भारतवंशियों के बीच पहुंचे प्रधानमंत्री को देखकर वहां रहने वाले प्रवासी भारतीय लोगों ने भी खुशी का इजहार किया. विशेष योग कार्यक्रम में उज्बेक नागरिकों, योग उत्साही लोगों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया.

प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत मध्य एशिया के देशों के साथ अपने संबंधों को लगातार मजबूत करने पर जोर दे रहा है. उज़्बेकिस्तान इस क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है.

पत्नी की हत्या कर तमिलनाडु भागा था आरोपी, गांव लौटते ही पुलिस ने दबोचा

रायगढ़,30 अगस्त। जिले में फरार आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन हंट' के तहत कापू पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में करीब चार महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद आरोपी तमिलनाडु भाग गया था और पुलिस से बचने के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी नहीं कर रहा था। गांव लौटने की सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कार्तिक राम पहाड़ी कोरवा (29) निवासी गुड़ाआमा इंचपारा पेलमा, थाना कापू के रूप में हुई है। कापू थाना प्रभारी निरीक्षक धर्माराम तिर्की को आरोपी के गांव लौटने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामला जून 2026 का है। कापू थाना क्षेत्र में ननकी बाई पहाड़ी कोरवा (30) की मौत के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान मृतिका के पिता और अन्य गवाहों के बयान लिए गए। पुलिस के मुताबिक, गवाहों ने बताया कि 3 जून को कार्तिक राम अपनी पत्नी के साथ मारपीट करते हुए इंचपारा से गुड़ाआमा की ओर ले जा रहा था।

धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन इंसानियत एक है: मोहन भागवत

वाशिंगटन, 30 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में आयोजित 'वन वर्ल्ड, वन ह्यूमैनिटी' धर्मगुरु सम्मेलन में धार्मिक एकता, शांति और आपसी सद्भाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि

धर्मों के रीति-रिवाज अलग हो सकते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य इंसान को सत्य की ओर ले जाना है। मानवता एक है और हर व्यक्ति सम्मान के साथ जीने का अधिकार रखता है। भागवत ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा अलग-अलग धार्मिक मार्गों को स्वीकार करती है और मानती है कि सभी रास्ते एक ही सत्य की ओर जाते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमणों के बावजूद भारत की यह परंपरा कायम रही और उसने दुनिया को 'एक दुनिया, एक मानवता' का विचार दिया। उन्होंने 2018 में मुस्लिम समुदाय के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदुत्व की मूल भावना के प्रति सच्चा नहीं है। उन्होंने बताया कि आरएसएस ने मुस्लिम और ईसाई समुदायों के साथ संवाद शुरू किया है। उनके अनुसार संवाद और सेवा दोनों साथ-साथ चलने चाहिए तथा सेवा में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। भागवत ने कहा कि आरएसएस के प्रति गलत धारणाएं गलत नैरेटिव के कारण बनी हैं। उन्होंने कहा कि संगठन प्रचार में पीछे हो सकता है, लेकिन लोग जब उसके काम को स्वयं देखते हैं तो उनकी धारणाएं बदल जाती हैं। **राजनीति को बताया स्वार्थ का खेल**-आरएसएस प्रमुख ने आधुनिक राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में राजनीति जनता की राय पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि राजनीति को घटनाओं के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से समाज और देश को सही दिशा देने में भूमिका निभानी चाहिए। न्होंने कहा कि राजनीति की वजह से धार्मिक सद्भाव स्थापित करने में भी कठिनाइयां आती हैं। आज राजनीति कई बार 'मैं और मेरा' के स्वार्थ तक सीमित हो जाती है। इसके बजाय 'हम और हमारा' की भावना को अपनाना जरूरी है।

मन की बातः युवाओं से नशे से दूर रहने मोदी का आव्हान

नई दिल्ली, 30 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 137वीं कड़ी में युवाओं, महिलाओं, किसानों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं और समाज में छोटे-छोटे प्रयासों से बदलाव ला रहे लोगों का उल्लेख किया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान को जनांदोलन बनाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि नशे की लत का असर केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों, संगीतकारों, थिएटर समूहों और कंटेंट क्रिएटर्स से नशे के खिलाफ स्लोगन, गीत, लघु नाटक और अन्य रचनात्मक सामग्री तैयार करने की अपील की।

इतिहास और स्वच्छता की पहल की सराहना-प्रधानमंत्री ने मुंबई के कृष्णा शेषाद्री की 'भारत राज्य' वेबसाइट का उल्लेख किया, जो तकनीक के माध्यम से भारतीय इतिहास को सरल और रोचक बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने युवाओं को इतिहास से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के पटवाई गांव के युवाओं द्वारा चलाए जा रहे 'क्लीन-अप पटवाई' अभियान की भी सराहना की। युवाओं ने अब तक कई सार्वजनिक स्थानों और गंगा घाटों की सफाई करते हुए बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हटाया है।

महिलाओं और किसानों की सफलता का किया उल्लेख-पीएम मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना से आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं महिलाओं की सफलता की कहानियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि योजना के लाभार्थियों में करीब 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और लगभग 35 लाख महिलाएं इससे जुड़ी हैं। उन्होंने गाजियाबाद की बबीता शर्मा और बेंगलुरु की टी.एस. निन्गम्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटे कारोबार को आर्थिक सहयोग मिलने से पूरे परिवार का भविष्य बेहतर हो सकता है। उन्होंने नागालैंड की वेसालु पुरो की फूलों की खेती और विभिन्न राज्यों के किसानों द्वारा एवोकाडो की खेती अपनाने का भी उल्लेख किया।

'मन की बात' देशभर के नवाचारों को देती है राष्ट्रीय पहचान : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 30 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राजधानी के निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री का देश के नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इसके जरिए देश के दूरदराज क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से काम कर रहे लोगों के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है और अन्य लोगों को प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' का संदेश देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी का आह्वान किया है। युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है।

'हर घर तिरंगा' से दिखा राष्ट्रप्रेम-साय ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान में 8 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करना देशवासियों के राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और गौरव को दर्शाता है। ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लाभार्थियों में करीब 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और लगभग 35 लाख महिलाएं योजना से जुड़कर अपने छोटे कारोबार को आगे बढ़ा रही हैं। इससे मातृशक्ति आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही है।

स्वच्छता और नवाचार पर जोर-मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान न रहकर प्रत्येक नागरिक की आदत और जिम्मेदारी बननी चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपने घर, मोहल्ले, गांव और शहर को स्वच्छ रखने में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने मिशन शक्ति सैट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की बेटियां अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। इस अभियान में छत्तीसगढ़ की महिमा राजपूत की सहभागिता प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री 'मन की बात' में बस्तर ओलंपिक, मल्हार के प्राचीन ताम्रपत्र और काले हिरण संरक्षण जैसे छत्तीसगढ़ के प्रयासों का उल्लेख कर चुके हैं। इससे प्रदेश की संस्कृति, विरासत और नवाचारों को राष्ट्रीय पहचान मिली है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, संतजन और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उपद्रवियों पर शिकंजा कसने की तैयारी

बिलासपुर,30 अगस्त। शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले उपद्रवी तत्वों पर अब पुलिस-प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। घटना के बाद कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह के सख्त तेवर से उपद्रवियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने उपद्रव के दौरान मौजूद लोगों की पहचान शुरू कर दी है और संदिग्धों से पूछताछ का सिलसिला जारी है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि शहर की शांति और सामाजिक सौहार्द से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। घटना के दौरान पुलिस टीम पर पथराव और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों की गतिविधियों और उनकी भूमिका की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े वीडियो फुटेज, सीसीटीवी कैमरों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। जिन लोगों की भूमिका संदिग्ध पाई जा रही है, उनसे पूछताछ की जा रही है।

कलेक्टर-एसएसपी के सख्त तेवर से मचा हड़कंप

पुलिस का फोकस यह पता लगाने पर है कि पथराव और उपद्रव में कौन-कौन लोग शामिल थे और घटना के पीछे किसकी भूमिका रही। मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को शांत कराने और स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया था। इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा पुलिस टीम पर पथराव किया गया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए। विषम परिस्थितियों के बावजूद पुलिस ने संयम और साहस के साथ मोर्चा संभाला और स्थिति को नियंत्रण में लिया।कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून हाथ में लेने वालों और शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की निगाह अब उन तत्वों पर है, जो अफवाह, उपद्रव या किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि के जरिए माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। इधर, पुलिस की कार्रवाई तेज होने के बाद उपद्रवी तत्वों में हड़कंप की स्थिति है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा.

घर घुसकर कांग्रेस नेता पर हमला

अंबिकापुर,30 अगस्त। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में कांग्रेस नेता गुरुप्रीत सिंह सिद्धू पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है. शनिवार रात करीब 15 से 20 बदमाशों ने कांग्रेस नेता के घर में घुसकर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया है. घटना के पीछे पुरानी राजनीतिक रंजिश का एंगल भी सामने आ रहा है. फिलहाल हमले की वजह और आरोपियों की पहचान की पुलिस जांच कर रही है. मामला मणिपुर थाना क्षेत्र के दर्रीपारा इलाके का है. पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस नेता गुरुप्रीत सिंह सिद्धू के घर में शनिवार की देर रात हथियारों से लैस बदमाश घुस गए. इनकी संख्या करीब 15 से 20 बताई जा रही है. हमले में कांग्रेस नेता के आंख में गंभीर चोटें आई हैं. घटना के बाद उन्हें इलाज के अस्पताल लाया गया है. कांग्रेस नेता गुरुप्रीत सिंह सिद्धू ने हमले के पीछे भाजपा नेता प्रकाश साहू का हाथ होने का आरोप लगाया है. सिद्धू का कहना है कि पुरानी राजनीतिक रंजिश के चलते उनके खिलाफ हमला करवाया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर भाजपा नेता के खिलाफ किए जा रहे पोस्ट को लेकर उनके ऊपर शक जताया जा रहा था. इसी वजह से शनिवार को भाजपा नेता के समर्थक उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी. हमलावर घर के अंदर भी घुसे और वहां भी हमला किया. सिद्धू ने बताया कि उन्होंने पूर्व में ही आईजी को अपनी जान को खतरा होने की सूचना दी थी. उनका आरोप है कि इससे पहले भी उनके खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की.

सोनम वांगचुक ने दीपके, दास और रंका की असलियत बताई

नई दिल्ली,30 अगस्त। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 26 दिन तक अनशन करने वाले पर्यावरण कार्यकर्ता ने सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रंका की असलियत सामने रखी है। उन्होंने कहा कि इन लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। वांगचुक ने एक पॉडकास्ट में कहा कि आपको याद होगा कि शुरू में लोगों ने कहा कि ये लोग राजनीतिक पार्टी से आए हैं। आम आदमी पार्टी से आए हैं। उसका तो मैं ज्यादा इशू नहीं बनाता हूं कि किसी के पास्ट में क्या है। किसी के राजनीतिक दल से जुड़ा होना मुझे गलत नहीं लगता। वांगचुक ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि इनके राजनीतिक महत्वकांक्षा हैं कि नहीं। तो मैं कहता हूं कि इनके राजनीतिक महत्वकांक्षा हैं। जब मैंने परख की तो इनमें ये बातें नजर आईं। ये कोई गलत बात भी नहीं है। हालांकि उन्होंने इस बारे में मुझे कुछ नहीं बताया लेकिन मैं परख रखता हूं। ये कोई ऐसे संत भी नहीं हैं कि जिन्हें कुछ नहीं चाहिए और ये-ये कर रहा हूं। जरूर इनके राजनीतिक महत्वकांक्षा होंगे और होने भी चाहिए। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। लेकिन, इस प्लेटफॉर्म को जिसको आप लोगों ने राजनीतिक पार्टी के तौर पर शुरू नहीं किया है, इसकी पवित्रता को बनाए रखना चाहिए। इसे एक न्यूट्रल और पोलिटिकल प्रेशर ग्रुप बनाए रखें तो आप ज्यादा काम कर पाएंगे। इस प्लेटफॉर्म को पोलिटिकल न बनाएं तो लोगों की आस्था ज्यादा रहेगी। बाकी आगे जाकर आप किसी राजनीतिक पार्टी में जॉइन कर सकते हैं या नई राजनीतिक पार्टी शुरू कर सकते हैं। सोनम वांगचुक ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म को,

जिसमें लोगों ने अपना नहीं देखा कि मैं बीजेपी का हूं, मैं कांग्रेस का हूं या मैं आम आदमी पार्टी का हूं। लोगों ने इसे एक छात्र आंदोलन के रूप में देखा। इसको कोई राजनीतिक रंग देना कोई अच्छी बात नहीं है। कभी-कभी लोग मुझे कनपटी पर बंदूक रखकर भी कहते हैं कि आपको देखकर हम यहां आए। हम तो इनको जानते भी नहीं थे। आगे ये कुछ गलत करेंगे तो हम तो आपको पकड़ेंगे। मैं ये भी नहीं कह सकता हूं कि नो-नो-नौ मैं खून से यह लिखकर दूंगा कि ये भ्रष्ट नहीं होंगे। ये राजनीतिक रूप से सेलफिश नहीं होंगे। मुझे उतना नहीं पता है।

वांगचुक ने इस पॉडकास्ट में आमिर खान पर भी तंज कसा। फिल्म '3 इडियट्स' को लेकर आमिर खान ने एक बड़ा दावा किया था। आमिर ने कहा था कि फिल्म बनाते समय वे वांगचुक को जानते तक नहीं थे और उनका किरदार उनसे प्रेरित नहीं था। इस पर बेहद चुटीले अंदाज में तंज कसते हुए वांगचुक ने कहा कि कि वे और आमिर खान पहले काफी विस्तार से मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि आमिर अपनी फिल्म 'गजनी' के उस किरदार की तरह व्यवहार कर रहे हैं जिसे 'शॉर्ट-टर्म मेमोरी लॉस' यानी कुछ समय के लिए चीजें भूलने की बीमारी थी।

उन्होंने कहा कि सुना है आमिर अपने रोल में काफी गहराई तक उतर जाते हैं। शायद वे गजनी के किरदार में इतने डूब गए थे कि जिस अवॉर्ड फंक्शन में वे खुद मौजूद थे और मुझे अवॉर्ड मिल रहा था, उसे भी भूल गए होंगे। वांगचुक ने कहा कि वह यह दावा नहीं कर रहे कि फिल्म उनकी सीधी बायोग्राफी थी, लेकिन इसे ही इंफ्लुएंस या प्रभाव कहते हैं। उन्होंने कहा कि आमिर खान ने उनसे मुलाकात कर कई आइडिया लिए। अपने ग्रुप में चर्चा करते वक्त शायद यह बताना भूल गए कि वे यह आइडिया कहां से लेकर आए हैं।

65 प्रतिशत झुलसी महिला को सेक्टर-9 अस्पताल में मिला नया जीवन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र का एडवांस बर्न केयर विभाग मध्य भारत में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में विगत माह बालोद की एक महिला, जो करीब 65 प्रतिशत तक गंभीर रूप से झुलस गई थी, को उपचार के लिए सेक्टर-9 अस्पताल के एडवांस बर्न केयर विभाग में भर्ती किया गया।

चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम के सतत प्रयासों, आवश्यक शल्य चिकित्सा और समुचित देखभाल के बाद महिला स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. उदय कुमार ने बताया कि अमेरिकन बर्न एसोसिएशन के मानकों के अनुसार शरीर का 40 प्रतिशत से अधिक जलना अत्यंत गंभीर स्थिति मानी जाती है। ऐसे मामलों में मरीज के जीवन पर गंभीर खतरा बना रहता है। सेक्टर-9 अस्पताल की बर्न यूनिट में गहन चिकित्सा सुविधाओं, संक्रमण की रोकथाम, निरंतर निगरानी तथा समुचित पोषण प्रबंधन के माध्यम से गंभीर रूप से झुलसे मरीजों का उपचार किया जाता है।

सेक्टर-9 अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन एवं स्किन बैंक प्रभारी डॉ. अनिरुद्ध मेने ने बताया कि महिला के उपचार में अस्पताल के स्किन बैंक से प्राप्त त्वचा का उपयोग किया गया। गंभीर रूप से जले मरीजों के उपचार में डोनर स्किन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह जले हुए हिस्से को ढकने, संक्रमण के खतरे को कम करने और मरीज के स्वस्थ होने की संभावना बढ़ाने में सहायक होती है। उन्होंने लोगों से स्किन डोनेशन के लिए आगे आने की अपील भी की। उपचार के बाद मरीज के परिवार ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन और अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। मरीज के पति ने कहा कि बेहतर उपचार और चिकित्सकीय देखभाल से उनकी पत्नी उन्हें वापस मिल सकीं और बच्चों को भी अपनी मां का स्नेह फिर से मिल पाया।

लंबे उपचार के बाद परिवार के चेहरों पर लौटी मुस्कान ने चिकित्सालय की पूरी टीम के प्रयासों को सार्थक कर दिया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मरीज ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बर्न विभाग में मिला उच्च स्तरीय उपचार, चिकित्सकों एवं अस्पताल कर्मियों का सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार तथा लगातार बढ़ाया गया मनोबल उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा।

उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान मिली देखभाल और अपनत्व ने कठिन समय में उन्हें हिम्मत बनाए रखने में मदद की। मरीज के उपचार में एनेस्थीसिया, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी सहित चिकित्सालय के अन्य संबंधित विभागों की टीमों ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से गंभीर स्थिति में पहुंची मरीज का उपचार सफलतापूर्वक पूरा हो सका।

समाचार संक्षेप

छात्राओं ने बांधी पुलिसकर्मियों को राखी

कवर्धा, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छात्राओं ने पौड़ी पुलिस चौकी प्रभारी राकेश पटेल सहित पुलिस स्टाफ को पीएम श्री आत्मानंद स्कूल की छात्राओं ने राखी बांधी। पीएम श्री आत्मानंद स्कूल पोड़ी के छात्राएं पुलिस चौकी पौड़ी पहुंची ओर पुलिस भाइयों के हाथों में कलाई बांधी।

कवर्धा, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पौड़ी पुलिस चौकी प्रभारी राकेश पटेल ने पीएम श्री आत्मानंद स्कूल की छात्राओं को साइबर जागृति अभियान के प्रति जागरूक किया।

ग्लाइफोसेट आधारित खरपतवारनाशक के खिलाफ जनजागरूकता अभियान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अगस्त। ग्लाइफोसेट आधारित हर्बिसाइड के नियंत्रित उपयोग और इससे जुड़े संभावित स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय खतरों को लेकर पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन ने जन जागरूकता अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और आम लोगों को इसके दुष्प्रभावों तथा सुरक्षित एवं नियमानुसार उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पीएमए के छत्तीसगढ़ क्षेत्र प्रमुख ने बताया कि अभियान के अगले चरण में सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। पीएमए के अध्यक्ष रोहित जाटव की मौजूदगी में प्रस्तावित वर्कशॉप में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पेस्ट कंट्रोल सेवा प्रदाताओं को आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि जागरूकता अभियान को जमीनी स्तर पर व्यापक बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं आम नागरिकों को ग्लाइफोसेट से जुड़े स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी जोखिमों के प्रति सचेत करना है। साथ ही, भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप इसके नियंत्रित और जिम्मेदार उपयोग के संबंध में जानकारी देना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र, दिया पवित्रता व सकारात्मकता का संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अगस्त। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को रक्षा सूत्र बांधकर आत्मिक सुरक्षा, पवित्रता एवं सकारात्मक जीवन का संदेश दिया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने आत्मीय भाव से रक्षा सूत्र बांधने के साथ सभी को परमात्म महावाक्य से सुसज्जित ब्लेसिंग कार्ड प्रदान किए और ईश्वरीय प्रसाद से मुंह मीठा कराया। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि सर्व का रक्षक परमात्मा है। दैनिक जीवन में परमात्मा से भाई, माता-पिता, सखा अथवा बंधु जैसे किसी भी आत्मीय संबंध को जोड़कर उन्हें प्रेमपूर्वक याद करना ही राजयोग मेडिटेशन का प्रथम चरण है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आज प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी रूप में सुरक्षा की आवश्यकता है। परमात्मा की स्मृति के माध्यम से स्वयं को बुराइयों, व्यसनों और परचिंतन से मुक्त रखना ही वास्तविक आत्मिक सुरक्षा है।आशा दीदी ने कहा कि मानवीय सोच और कर्मों के प्रभाव से प्रकृति भी अशांत हो रही है, जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण आज हमारे सामने हैं। ऐसे समय में परमात्मा की याद से स्वयं शांत होकर प्रकृति के पांचों तत्वों को भी शांति के प्रकंपन देने का प्रयास करना चाहिए। रक्षाबंधन के अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, एडिशनल एसपी शोभ राज अग्रवाल, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, फील परमार्थ फाउंडेशन वृद्धाश्रम के बुजुर्गों, एफएसएनएल निगम में कार्यरत जापान के कोनोइके ग्रुप के जापानी सदस्यों सहित सांसद विजय बघेल को रक्षा सूत्र बांधा।

एक नजर

भिलाई इस्पात संयंत्र को वर्ष 2029 तक आईएमएस का पुनः प्रमाणन

भिलाई, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई इस्पात संयंत्र ने गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण तथा कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संयंत्र को क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम, एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम तथा ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम के इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम का आगामी तीन वर्षों के लिए पुनः प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणन वर्ष 2029 तक प्रभावी रहेगा।

आईएमएस के तहत मई 2026 में बीएसपी एवं दल्लीराजहरा मैकेनाइज्ड माइंस में तीनों प्रबंधन प्रणालियों का री-सर्टिफिक्रेशन ऑडिट किया गया। मेसर्स टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पांच ऑडिटरों की टीम ने पांच दिनों तक विस्तृत एवं गहन ऑडिट किया। ऑडिट के उपरांत बीएसपी को तीनों प्रबंधन प्रणालियों के लिए आगामी तीन वर्षों की अवधि हेतु आईएमएस री-सर्टिफिक्रेशन प्रदान किया गया।

टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी क्यूएमएस, ईएमएस एवं ओएचएसएमएस के प्रमाण-पत्रों को पोस्टर के रूप में 28 अगस्त 2026 को कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने औपचारिक रूप से जारी किया। इस अवसर पर बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की महाप्रबंधक श्रीमती सुरैया एस. कादर ने प्रमाण-पत्र पोस्टर कार्यपालक निदेशक को सौंपा। कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक पी.के. साहू एवं वरिष्ठ प्रबंधक रवि कुमार उपस्थित रहे। बीएसपी में क्यूएमएस के तहत आईएसओ 9001, ईएमएस के तहत आईएसओ 14001 तथा ओएचएसएमएस के तहत आईएसओ 45001 प्रमाणन लागू है।

विवाद के बाद युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 30 अगस्त। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सारथी मोहल्ला स्थित चंडी मंदिर रोड पर गाली-गलौज के विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई राह चलते युवकों को रोककर गाली-गलौज करने के बाद विवाद बढ़ा और आरोपियों ने देव चौधरी उर्फधन्ना पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गंभीर रूप से घायल देव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी समेत एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई नवीन सिंह राजपूत ने बताया कि रात करीब 10.30 बजे जीत साहू अपने साथी रतन निर्मलकर उर्फदादू और देव चौधरी उर्फ धन्ना के साथ बाइक से सलीम बिरयानी जाने के के लिए निकले थे चंडी मंदिर रोड पर पोषण दुकान के सामने कोमल ढीमर और उसके साथी ने उन्हें रोक लिया दोनों

आरोपियों ने युवकों से गाली-गलौज शुरू कर दी विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया सीने, पेट और जांघों पर किए वार विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने चाकू निकाल लिया और देव चौधरी पर घटना के कुछ घंटे में मुख्य आरोपी पकड़ाया हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। संभावित ठिकानों पर दबिश देकर पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी को कुछ ही घंटों में हिरासत में ले लिया पूछताछ में ठपारा-सारथी मोहल्ला निवासी कोमल ढीमर (19) ने नाबालिग के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 103(1), 296 और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है हमला कर दिया उसके सीने, पेट और दोनों पैरों की जांघों पर गंभीर चोटें आई साथियों ने उसे तत्काल ई-रिक्शा से जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

नाले में गिरने से अधेड़ की मौत

भिलाई सेक्टर-5 सड़क-41 के पास नाले में गिरने से एक अधेड़ की मौत हो गई सुबह राहगीरों ने नाले में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और परिजन की मदद से शव को बाहर निकाला पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के बाद भिलाई नगर थाने पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि के सेक्टर-5 सड़क-41 निवासी सुदीप कुमार (45 साल) शुक्रवार शाम घर से बिना बताए निकले थे। इसके बाद वापस नहीं लौटे प्रथमदृष्टया सामने आया है कि वे पुलिया पर बैठे थे और अत्यधिक शराब के नशे में थे। इसी दौरान संभवत संतुलन बिगड़ने से नाले में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई पुलिस घटना के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, बर्खास्त महिला पुलिसकर्मी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अगस्त। सरकारी नौकरी लगने के नाम पर एक महिला से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाली बर्खास्त पुलिसकर्मी महिला को पुलगांव थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपिया को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल दाखिला किया गया है।

पुलगांव प्रभारी गुरविंदर सिंह संधु ने बताया कि प्रार्थिया किरण चंद्राकर ने पुलगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति इसरार खान निवासी ग्राम चंदखुरी ने नगर सेना के अधिकारी से पहचान होने की बात कह कर नगर सेना में नौकरी लगाने का भरोसा देते हुए उससे 6, 30, 000 रुपए ले लिए थे जिसमें से 50, 000 वापस कर दिया था।

नौकरी नहीं लगने पर बाकी रकम

वापस करने में इसरार खान टालमटोल करता रहा इस के बाद इसरार खान ने कहा कि वह उसे नौकरी नहीं लगा पाएगा यह कहकर उसने प्रार्थिया को एक बर्खास्त पुलिसकर्मी मोनिका सोनी उर्फमोनिका गुप्ता से मिलाया और कहा कि यह महिला की बहुत पहचान है और वह नौकरी लगा देगी इस पर मोनिका सोनी ने कहा कि वह उसे प्रयोगशाला में परिचालक के पद नौकरी लगा देगी और दुर्ग शहर में उसका ट्रांसफर भी करवा देगी। उसके झांसे मे आकर किरण चंद्राकर ने उसे 30000 रुपए कैश एवं 5, 12, 000 रुपए ऑनलाइन इस तरह कल 5, 42, 000 रुपए दे दिए थे। इसके बाद आरोपिया मोनिका सोनी लगातार उसे घुमाती रही उसके साथ धोखाधड़ी होने का एहसास होने पर परेशान होकर प्रार्थिया ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

उल्लेखनीय है कि मोनिका सोनी पुलिस विभाग में कांस्टेबल से हवलदार के पद तक कार्यरत रही है और वह छावनी एवं मोहन नगर थाना में ड्यूटी के दौरान भी कुछ लोगों से धोखाधड़ी की थी उस मामले में उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसके बाद वह जमानत पर छुटी हुई थी। एक अन्य मामले में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी इसरार खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गणेशोत्सव में सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के लिए डीआईजी ने दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 30 अगस्त। गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराने दुर्ग पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले के 50 से अधिक बड़े और मध्यम गणेश पंडाल समितियों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक मेंअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल, दुर्ग सीएसपी हर्षित मेहर, भिलाई नगर सीएसपी निशांत पाठक और छावनी सीएसपी प्रशांत सिंह पैकरा मौजूद रहे प्रवेश-निकास पर कैमरे, रात में दो सदस्य रहेंगे पुलिस ने पंडालों में प्रवेश निकास, मुख्य मूर्ति स्थल और पार्किंग क्षेत्र में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाने कहा है रात में पंडाल की सुरक्षा के लिए समिति

के कम से कम दो सदस्यों की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग कतार व प्रवेश-निकास व्यवस्था के साथ पर्याप्त वॉलेंटियर और सुरक्षा गार्ड रखने के निर्देश दिए गए हैं रात 10 बजे बाद लाउडस्पीकर पर रोक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा उल्लंघन पर उपकरण जब्त करने के साथ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पंडाल और विसर्जन झांकी में नशे का सेवन तथा जबरन चंदा वसूली पर भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

केवल धार्मिक गीतों की अनुमति विसर्जन झांकी निर्धारित मार्ग से ही निकालनी होगी प्रत्येक झांकी में अधिकतम तीन वाहन-गणेश वाहन, झांकी वाहन और जनरेटर-डीजे वाहन-की अनुमति होगी झांकी की अधिकतम ऊंचाई 15 फीट और प्रत्येक झांकी में कम से कम आठ वॉलेंटियर रखना अनिवार्य होगा। विसर्जन के दौरान तलवार, भाला, डंडा या अन्य हथियार रखने पर रोक रहेगी झांकियों में केवल धार्मिक गीतों की अनुमति होगी सड़क रोककर पार्किंग या वसूली नहीं पंडाल और पार्किंग के लिए सड़क अथवा आवागमन मार्ग बाधित नहीं करने तथा पहले से पार्किंग स्थल चिह्नित करने कहा गया है।

अनधिकृत पार्किंग शुल्क वसूली मिलने पर कार्रवाई होगी झूले, मनोरंजन उपकरण और तकनीकी? मशीनरी लगाने से पहले संबंधित विभाग से तकनीकी प्रमाण-पत्र लेना होगा। पंडालों में फायर, सुरक्षा और इलेक्ट्रिसिटी ऑडिट कराने के साथ अग्निशमन उपकरण, रेत और पानी की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए।

एलआईसी विक्रय प्रशिक्षण केंद्र में नराकास स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतियोगिताएं हैं आवश्यक : चांदवानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अगस्त। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में भारतीय जीवन बीमा निगम, शाखा क्रमांक-1 द्वारा सेक्टर-6 स्थित एलआईसी विक्रय प्रशिक्षण केंद्र में नराकास स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सुश्री भावना चांदवानी थीं। प्रतियोगिता में नराकास भिलाई-दुर्ग से जुड़े विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पर्ची के माध्यम से प्राप्त विषयों पर निर्धारित समय में तत्काल भाषण प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में राइट्स लिमिटेड के महाप्रबंधक राजीव कुमार आहूजा, बीएसएनएल की उप मंडल अभियंता सुश्री अनुराधा धनांक एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी शामिल रहे। निर्णायकों के मूल्यांकन में भिलाई इस्पात संयंत्र के इंजीनियरिंग एसोसिएट लोकेश जंघेल ने प्रथम, भारतीय डाक विभाग के सौरभ मिश्रा ने द्वितीय तथा बीएसपी के अभिषेक साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त

किया। प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए न्यू इंडिया एश्योरेंस के अजिताभ कुमार, जेएलएन अस्पताल की स्टाफ नर्स सुश्री शीलमणि ईवा बखला, बीएसपी के ओमवीर करण, मनीष एवं अप्पू बेहरा का चयन किया गया। मुख्य अतिथि सुश्री भावना चांदवानी ने कहा कि राजभाषा नीति के अनुरूप हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए ऐसी प्रतियोगिताएं आवश्यक हैं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों को विषय की समझ, प्रभावी भाषा शैली, तर्कपूर्ण प्रस्तुति और समय प्रबंधन को सफलता की कुंजी बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। संचालन सुश्री सुदेशना भट्टाचार्य ने किया तथा आभार प्रदर्शन राजभाषा अधिकारी सुश्री इस्पीता मोदक दत्ता ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कालीबाड़ी समिति के पदाधिकारी आज ग्रहण करेंगे पदभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 अगस्त। कालीबाड़ी, सेक्टर-6 की नवगठित कार्यकारी समिति को विधिवत मान्यता प्रदान किए जाने के बाद समिति के 21 नवनियुक्त पदाधिकारी रविवार, 30 अगस्त को अपने-अपने पद का पदभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर कालीबाड़ी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन सुबह 9 बजे भिलाई नगर कालीबाड़ी, सेक्टर-6 परिसर में होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल एवं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव आदि उपस्थित रहेंगे।

पदभार ग्रहण के साथ ही नई कार्यकारी समिति द्वारा कालीबाड़ी की धार्मिक परंपराओं, बंगाली संस्कृति और समृद्ध विरासत के संरक्षण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर परिसर के विकास, स्वच्छता, सुव्यवस्थित संचालन और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता देने की बात कही गई है।

एक नजर

अंडरब्रिज निर्माण की धीमी रफ्तार पर राजेश 'चंपू' ने जताई चिंता

राजनांदगांव 30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शहर में लंबे समय से कछुए की चाल से चल रहे स्टेशन पारा पहुंच मार्ग अंडरब्रिज एवं गौरीनगर पहुंच मार्ग अंडरब्रिज के निर्माण कार्य को लेकर एआईसीसी बिहार ऑब्जर्वर एवं डोंगरगढ़-बिंद्रानवागढ़ प्रभारी तथा इंदिरा नगर वार्ड के पूर्व पार्षद राजेश कुमार 'चंपू' ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं शहर के विधायक माननीय डॉ. रमन सिंह जी को पत्र लिखकर दोनों अंडरब्रिज निर्माण कार्यों की धीमी गति की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया है। साथ ही निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप करने की मांग की है। राजेश कुमार 'चंपू' ने कहा कि अंडरब्रिज निर्माण कार्यों की धीमी गति के कारण शहरवासियों, स्थानीय नागरिकों, राहगीरों एवं वाहन चालकों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन प्रभावित होने के साथ ही लोगों का समय भी बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों महत्वपूर्ण अंडरब्रिज शहर के यातायात की दृष्टि से बेहद जरूरी हैं। इनके निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने से नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से आग्रह किया है कि वे संबंधित विभाग एवं निर्माण एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर स्टेशन पारा पहुंच मार्ग तथा गौरीनगर पहुंच मार्ग अंडरब्रिज के निर्माण कार्यों में तेजी लाने और इन्हें समय-सीमा में पूर्ण कराने की दिशा में पहल करें, ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

जिले में अब तक 898.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार,30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 29 अगस्त 2026 तक 898.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील टुण्डरा में 1131 मिमी, बलौदाबाजार में 1032.2 मिमी, पलारी में 958.7 मिमी, लवन में 872 मिमी, सुहेला 849.1 मिमी, सिमगा में 830.8 मिमी, कसडोल 842.3 मिमी, भाटापारा में 832.4 मिमी एवं सोनाखान 739.6मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 8088.1 मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 898.7 मिमी है।

मेजर ध्यानचंद की स्मृति में खेल दिवस समारोह का आयोजन

रायपुर, 30 अगस्त। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद की स्मृति में खेल दिवस समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रातः 8:30 बजे से किया गया। 'कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की।' कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी के महान खिलाड़ी एवं भारतीय खेल जगत के प्रेरणास्रोत मेजर ध्यानचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को खेलकूद, योग एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के महत्व एवं उनसे होने वाले शारीरिक तथा मानसिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा दैनिक जीवन में खेल एवं व्यायाम को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी डॉ. राम कुमार ठाकुर द्वारा लिखित पुस्तक "Physical Education, First Aid, Yoga and MeditationÑ A Practical Perspective" का विमोचन कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। पुस्तक में शारीरिक शिक्षा, प्राथमिक उपचार, योग एवं ध्यान से संबंधित विषयों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

पक्के घर का सपना हो रहा साकार

रायपुर, 30 अगस्त। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के अपने घर के सपने को साकार करने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह योजना गरीब परिवारों के लिए केवल पक्की छत उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व लेकर आ रही है। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत महलोई की निवासी दूरपति राठिया के जीवन में भी प्रधानमंत्री आवास योजना ने ऐसा ही सकारात्मक बदलाव लाया है। विधवा एवं एकल महिला दूरपति मेहनत-मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती हैं। सीमित आमदनी में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में अपने संसाधनों से पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था। दूरपति लंबे समय तक मिट्टी के कच्चे मकान में रहती थीं। बरसात का मौसम उनके लिए परेशानी और चिंता लेकर आता था।

पीएम मोदी के 25 वर्षों का सेवा काल अतुलनीय और अनुकरणीय : बृजमोहन अग्रवाल

- 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर गिनाएंगे केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां
- एक माह तक चलने वाले अभियान में सेवा कार्यों के साथ खिलाड़ियों, पद्मश्री विजेताओं और सांस्कृतिक विभूतियों का होगा सम्मान

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित की जा रही है।

रायपुर: 30 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित प्रांतीय कार्यशाला में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। यह कार्यशाला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के जो 25 वर्ष पूरे किए हैं, वह पूरे देश के लिए अतुलनीय और अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर किए गए लोक हितैषी कार्यों को जब तक जनता के बीच निरंतर न ले जाया जाए, तब तक लोग उसे पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाते। कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर देगा।

श्री अग्रवाल ने बताया कि एक माह तक चलने वाले इस 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान भाजपा केंद्र की मोदी सरकार, छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार और पूर्ववर्ती डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएगी।

सेवा कार्य और विभूतियों का सम्मान रहेगा प्रमुख

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उपलब्धियां बताना ही नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर जनसेवा करना है। अभियान के तहतः समाज का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों, पद्मश्री से अलंकृत हस्तियों और उत्कृष्ट सांस्कृतिक कलाकारों का सम्मान किया जाएगा। श्री अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि जनसेवा के इस महाअभियान के जरिए भाजपा के जनाधार को और अधिक मजबूत करना है। जनता तक सरकार की हर एक उपलब्धि पहुंचे और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिले, यही इस सेवा पखवाड़े का मुख्य संकल्प है।

जुनून को हकीकत में बदलने कड़ी मेहनत जरूरी : राज्यपाल

- रा'यपाल रमेन डेका ने ग्राम चाम्पा में स्कूल के सभाकक्ष का किया लोकार्पण
- वरिष्ठ शिक्षकों एवं प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मनित
- एक पेड माँ के नाम अभियान के तहत स्कूल परिसर मे रोपे अमलताश पौधा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 30 अगस्त । प्रदेश के राज्यपाल श्री रमेन डेका शनिवार को विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चाम्पा मे आयोजित लोकार्पण एवं शिक्षक -मेधावी छात्र सम्मान समारोह मे शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के नवनिर्मित सभाकक्ष का विधिवत लोकार्पण किया। समारोह मे वरिष्ठ शिक्षकों,कक्षा 12 वी एवं 10 वी के प्रतिभाशील छात्रों एवं पीएटी मे चयनित विद्यार्थियों को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही हम होंगे कामयाब अंतर्गत रोजगार प्राप्त करने वाले 9 युवाओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि स्कूल मे निर्मित इस सभाकक्ष मे कई तरह के सांस्कृति एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन होगा जिससे छात्रों की प्रतिभा निखरेगी। शिक्षक और छात्रों के बीच आत्मीय सम्बन्ध प्रगाढ होना चाहिए। शिक्षक अपने आचरण और व्यवहार से छात्रों का रोल मॉडल बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को हासिल करने के लिये छात्र जूनून पैदा करें और जूनून को हकीकत मे बदलने के लिये कड़ी मेहनत करें। कोशिश करते रहने से सफलता आवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि अब नई शिक्षा नीति लागू हो गई है जो छात्रों को विभिन्न विषयो मे विशेषज्ञता हासिल करने, कौशल विकास के लिये सहायक है। जीवन मे शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है, शिक्षा हमारे व्यक्तित्व विकास के साथ,बौद्धिक क्षमता बढ़ाती है और आजीविका के लिये हुनर प्रदान करती है।

राज्यपाल ने मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि छात्र मोबाइल का उपयोग केवल जरुरी कामों के लिये करें, मनोरंजन मे समय व्यर्थ न करें। सोशल मीडिया और एआई का इस्तेमाल भले ही सुविधाजनक है,कई जानकारी तत्काल मिल जाती है लेकिन यह आलस्य भी बढ़ा रहा है। इसलिये जरुरत के अनुसार ही उपयोग करना चाहिए।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि चाम्पा जैसे छोटे से गांव मे राज्यपाल का आगमन एक ऐतिहासिक और गौरव का दिन है। उन्होंने अपने बचपन और स्कूली जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस ग्राम की मिट्टी से उन्हें अगाध प्रेम है और इसके विकास के लिये हमेशा काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान ही नहीं करते अपितु छात्रों के प्रतिभा को निखारने का काम भी करते हैं,सही रास्ता दिखाते हैं। इसके साथ ही समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। उन्होंने कहा कि आज कुछ प्रतिभावान छात्र सम्मानित हुए हैं जो इनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है। सभी कड़ी मेहनत करें,असफलता से घबरायें नहीं क्योंकि असफलता सामना करने का साहस देता है। समारोह को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया।

एक पेड माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौध रोपण- राज्यपाल श्री रमेन डेका ने एक पेड माँ के नाम अभियान अंतर्गत स्कूल परिसर मे अपनी माँ स्व चम्पावती डेका की स्मृति मे अमलताश पौधे का रोपण किया। इसके साथ ही राजस्व मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी वृक्षारोपण किया।

बिहान की दीदियों ने पहनाई धान से बनी राखी- राज्यपाल श्री डेका ने स्कूल परिसर मे बिहान की आजीविका दीदियों के द्वारा लगाए गये विभिन्न उत्पादों के प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न उत्पादों के बारे मे पूछ -ताछ कर जानकारी ली। इस दौरान बिहान की दीदियों ने धान बीज और चावल से बनी सुंदर राखी राज्यपाल श्री डेका को पहनाई। राज्यपाल श्री डेका ने दीदियों के हुनर की सारहना की।

ये शिक्षक और छात्र हुए सम्मानित- राज्यपाल श्री रमेन डेका के हाथों सम्मानित होने वाले शिक्षको मे सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं शिक्षाविद एसएम पाध्ये, डॉ निशा झा, डॉ डीएन राय, भूषण धुरंधर, कक्षा 12 वीं के स्टेट टॉपर जिज्ञासु वर्मा, साक्षी वर्मा,कक्षा 10 वीं के छात्र अमित कुमार टंडन, पीएटी मे चयनित प्रवीण डहरिया, ममता साहु एवं मयंक वर्मा शामिल हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन,जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, पुलिस अधीक्षक गौरव राय,जनपद सदस्य पवन वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,सरपंच संतोषी धृतलहरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी एवं बड़ी संख्या मे छात्र छात्राएं उपस्थित थीं।

नेपाल में लापता तीन छत्तीसगढ़ी महिलाओं की तलाश तेज करने की मांग

रायपुर, 30 अगस्त। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने नेपाल में कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान लापता तीन छत्तीसगढ़ी महिलाओं की तलाश एवं सुरक्षित वापसी के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तलाश अभियान तेज करने और वरिष्ठ नोडल अधिकारी नियुक्त करने की मांग की है। गांधी ने पत्र में विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावास और नेपाल प्रशासन के साथ तत्काल समन्वय कर तीनों महिलाओं की तलाश के प्रयास तेज करने तथा संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही, परिजनों को नियमित और आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराने की मांग भी की है। लापता महिलाओं में बिलासपुर की डॉ. प्रियंका चौधरी, मंजू राय चौधरी तथा अंबिकापुर की डॉ. मीना गुप्ता शामिल हैं। 25 अगस्त के बाद से परिजनों का उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। परिवार उनकी सलामती और सुरक्षित वापसी को लेकर बेहद चिंतित हैं। इदरीस गांधी ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी उपलब्ध संसाधनों और संबंधित एजेंसियों को सक्रिय कर समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि तीनों महिलाओं की जल्द तलाश कर उन्हें सुरक्षित वापस लाया जा सके।

श्री बांके बिहारी मंदिर में चार सितंबर को जन्माष्टमी महापर्व

- संध्या में सुश्री रेनू एवं टीम, रात्रि में भजन सम्राट कैलाश सोनी एवं टीम देगी भजनों की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर 30 अगस्त। श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट, नया पारा, रायपुर द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी महापर्व का भव्य आयोजन शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 को किया जा रहा है। वर्ष 1870 में स्थापित एवं वर्ष 2026 में नवनिर्मित श्री बांके बिहारी मंदिर में आयोजित होने वाला यह जन्माष्टमी महापर्व श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण होगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक दूध अभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11:30 बजे श्रृंगार दर्शन होंगे। दोपहर 3:00 बजे से भजनामृत कार्यक्रम में भजन गायिका सुश्री रेणु एवं टीम द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। संध्या 7:00 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें भजन सम्राट श्री कैलाश सोनी एवं टीम भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगे।

जन्माष्टमी महापर्व का मुख्य आकर्षण रात्रि 12:01 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव होगा। इस अवसर पर विशेष आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालु भक्तों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मंदिर पहुंचकर प्रभु श्री बांके बिहारी की सेवा, भजनों का आनंद एवं दिव्य दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करें और जन्माष्टमी के इस पावन अवसर को भक्तिभाव से मनाएं।

स्थानः श्री बांके बिहारी मंदिर, पेठा लाइन, सदर बाजार, रायपुर, छत्तीसगढ़

आयोजकः श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट, रायपुर

आइए प्रभु श्री बांके बिहारी की दिव्य सेवा में सहभागी बनें, भजनों में झूमें, दर्शन का लाभ लें और जीवन को धन्य करें।

शशिकांत द्विवेदी को मिला राज्य मंत्री का दर्जा

रायपुर, 30 अगस्त। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने विभिन्न निगम, मंडल, आयोग एवं संस्थाओं के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान करने संबंधी आदेश जारी किया है। 27 अगस्त 2026 को जारी आदेश में शशिकांत द्विवेदी को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के अध्यक्ष के रूप में राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्यपाल के नाम से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य शासन द्वारा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को प्रदान किए गए मंत्री दर्जा के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने का दायित्व संबंधित प्रशासनिक विभाग अथवा आयोग का होगा। राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किए जाने पर शशिकांत द्विवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी , प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव जी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल जी, प्रदेश भाजपा महामंत्री संगठन पवनसाय जी , उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा जी, उप मुख्यमंत्री जी अरुण साव जी आदि सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। ज्ञातव्य हो की शशिकांत द्विवेदी जी पूर्व में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनादगांव के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनंदगांव को सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2011 'ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार 'से नवाजा गया था।

यादव महासभा की बैठक में शिक्षा, रोजगार,सामाजिक नेतृत्व में युवाओं को आगे बढ़ाने पर दिया गया जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 30 अगस्त। जिला कोसरिया यादव महासभा का मासिक बैठक खपरीकला मे सम्पन्न हुआ जिसमे जिले के सभी सर्किल पदाधिकारी, पंचगहिया पदाधिकारी उपस्थित हुए पेटे श्री सर्किल के अध्यक्ष श्री सुरेश यादव जी ने संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कही एवं युवा संरक्षक हरीश यादव जी ने कहा कीआज हमारे युवाओं को शिक्षा, रोजगार, खेल, तकनीक और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में आगे लाने की जरूरत है। समाज को चाहिए कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और युवाओं को उचित मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करे। हम यह भी संकल्प लें कि हमारे समाज का कोई भी बच्चा आर्थिक कठिनाई के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। इसके साथ ही हमारी मातृशक्ति और बेटियों की शिक्षा, सम्मान और सुरक्षा को प्राथमिकता देना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें समाज को नशामुक्त, शिक्षित और संस्कारवान बनाने के लिए भी लगातार प्रयास करना चाहिए। आने वाली पीढ़ी को अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार देना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है जिले के आगामी बैठक बम्हनी चारभाठा मे रखा गया है आज की इस बैठक मे महेश यादव जिला महामंत्री शीलू राम यादव कोषाध्यक्ष विनीता यादव महिला अध्यक्ष मदन यादव जिला उपाध्यक्ष दुर्गा यादव जिला मिडिया प्रभारी एवं पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल महोत्सव में 'खेलेगा भारत-जीतेगा भारत' का दिया संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा 30 अगस्त। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में द्वितीय वाहिनी के रि पु बल द्वारा एक भव्य खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' थीम के तहत युवाओं को खेल संस्कृति से जोड़ना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री विवेक सक्सेना द्वितीय कमान अधिकारी एवं डॉ. पंकज कुमार सी.एम.ओ. डॉ., नितेश परचाके सी.एम.ओ., संदीप सिंह चौहान उप.कमा. एवं अजित कुमार उप.कमा. की उपस्थिति में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

आयोजन में वालीबाल स्पर्धा का आयोजन हुआ, जिसमें अधिक से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उदीयमान प्रतिभाओं का सम्मानः उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर खेलों में योगदान देने वाले कोचों और वरिष्ठ खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा, ÷खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। जब देश का युवा मैदान में पसीना बहाएगा, तभी 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' का संकल्प साकार होगा। संस्था के अधिकारीयों ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों और दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया।

दुष्यंत पंन्द्रे ने जीता गोल्ड, श्रेयांश ने कांस्य पदक हासिल किया

डोंगरगढ़ 30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 5 वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कुड़ो प्रतियोगिता 22 से 26 अगस्त को दुर्ग के स्वामी विवेकानंद सभाग्रि

में आयोजित किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के 20 जिलों के लगभग 700 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ ब्लॉक के ग्राम अछोली के दुष्यंत पंन्द्रे पिता हर सिंह पन्द्रे कुड़ो में गोल्ड मेडल, एवं अछोली के ही श्रेयांश बंबेश्वर पिता सतीश बंबेश्वर कांस्य पदक जीतकर डूंगरगढ़ ब्लॉक एवं गांव का मान बढ़ाया है मार्शल आर्ट के इन खिलाड़ियों को गांव के सरपंच नंदकुमार साहू ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अंतिम सांस तक संघर्ष की सीख देता है खेलः कुलपति प्रो. मनोज दयाल

रायपुर, 30 अगस्त। खेल केवल शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती का जरिया नहीं, बल्कि यह विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अंतिम क्षण तक संघर्ष कर विजय श्री हासिल करने का साहस प्रदान करता है। यह विचार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू), रायपुर के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. दयाल ने कहा कि खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, उत्साह, सकारात्मकता और आपसी समन्वय जैसे जीवन-मूल्यों का बीजारोपण होता है। ये गुण न केवल व्यक्तित्व को संतुलित और बहुआयामी बनाते हैं, बल्कि आज के दौर में तनाव मुक्त जीवन जीने का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में परिसर में विविध पारंपरिक एवं नवाचारी खेलों की धूम रही। इसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने 'ओंकार दौड़', 'केंद्र कबड्डी', 'नेताजी की पहचान', 'मत चूको चौहान', 'शेर-आदमी-बंदूक' और 'सुदर्शन चक्र' जैसी स्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संस्कृति को बचाए रखने मर्यादा जरूरी होती है

परिवार,समाज व देश की एक संस्कृति होती है।संस्कृति का आधार होता है संस्कार,मनुष्य को संस्कार परिवार से मिलते हैं।यह पारिवारिक संस्कार होते हैं,परिवारों से मिलकर समाज बनता है तो समाज के संस्कार सामाजिक संस्कार होते हैं।समाजों से मिलकर देश बनता है तो देश के संस्कार देशीय संस्कार कहे जाते हैं।हमारे घर,भोजन,वस्त्र,पूजा के विधिविधान यानी रोज हम जो कुछ करते हैं,वही हमारे संस्कार होते हैं और उससे हमारी संस्कृति बनती है।संस्कृति को बचाए रखने के लिए संस्कार को बनाए रखने का जरूरी होता है यानी हमको रोज या तीज त्यौहार में वही करना चाहिए जो हम अब तक करते आए हैं।जो हम पीढियों से करते आए है, वही हम अपनी पीढ़ी में भी करते हैं तो यही हमारी परंपरा कही जाती है।हमारी परंपरा मतलब होता है हमारे परिवार की परंपरा,समाज की परंपरा,देश की परंपरा।

जब भी इस परंपरा को बदलने का प्रयास किया जाता है तो परंपरा को मानने वालों को यह अच्छा नहीं लगता है।ऐसा लगता है परिवार,समाज व देश के संस्कार को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।यही वजह है कि परंपरा व मर्यादा को मानने लोग इसका विरोध करते हैं।उनके विरोध की वजह यह होती है वह अपनी संस्कृति को बनाए व बचाए रखना चाहते हैं। क्योंकि वह जानते हैं हिंदू सभ्यता संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास हजारों साल से किया जा रहा है और वह बची हुई है तो इसी वजह से बची हुई है कि ज्यादातर लोग परंपरा व मर्यादा का पालन करते हैं और जब भी परंपरा व मर्यादा का उल्लंघन किया जाता है तो वह विरोध करते हैं और उनके विरोध के कारण ही परंपरा व मर्यादा का उल्लंघन करने वालों को अपने कदम पीछे खींचने पड़ते हैं।कई बार हिंदू तीज-त्यौहार के वक्त ही ऐसा जानबूझकर किया जाता है।इस बार राखी के त्यौहार के पहले ऐसा करने का प्रयास किया गया। ज्वेलरी ब्रांड ग्रीवा ने राखी के पहले एक ३५ सेकंड का विज्ञापन जारी किया।इसमें कृति सेनन जो कपड़े पहने कर अपने भाई का राखी बांधने के बाद अपने पालतू कुत्ते को राखी बांधती दिखाई गई हैं।यह देश के ज्यादातर लोगों को पसंद नहीं आया,लोगों को बहुत बुरा लगा और लोगों की प्रतिक्रिया रही कि यह भाई बहन के पवित्र त्यौहार का मजाक उड़ाने की कोशिश है, इसके लिए कृति सेनने भी उतनी ही दोषी हैं।ऐसे बेवकूफी भरे विज्ञापन विरोध व ध्यान दिलाने के बाद भी आते रहते है,यह गंभीर बात है। रक्षाबंधन में तिलक व आरती की परंपरा है, इस विज्ञापन में दोनो ही नहीं दिखाई गए।बहुत से लोगों को कुत्ते का राखी बांधना भी बहुत बुरा लगा है कि भाई व कुत्ता का दर्जा कैसे बराबर को हो सकता है।बहन के लिए भाई भाई होना चाहिए और है और कुत्ता कुत्ता होना चाहिए। कुछ आधुनिक आचार विचार के लोगों को यह अच्छा लगा है और उनका कहना है कि इसमें कोई बुराई नहीं है। कृति सेनन का कहना है कि किसी महिला की संस्कृति के प्रति निष्ठा उसके कपड़े से नहीं आंकी जानी चाहिए।आखिर हम महिलाओं को ये बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए।समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़े से क्यों मापा जाता है।कल्चर व ट्रेडिशन तो उसके दिल में होते हैं।उसकी नेकलाइन मे नहीं।इस मामले में राहुल गांधी को भी लगा कुछ कहना जरूरी है तो उन्होंने कृति सेनन का समर्थन करते हुए कहा कि एक महिला क्या पहनती है,क्या करती है,यह उसकी पसंद है,महिलाओं को उनकी आजादी के लिए ट्रोल करना बंद करें।चूंकि देश के बहुसंख्यक समाज को ज्वेलरी ब्रांड का यह विज्ञापन पसंद नहीं आया उसकी कटु आलोचना हुई तो उसने अपना विज्ञापन वापस ले लिया है। उसका कहना है कि हम भारतीय संस्कृति,परंपरा और त्यौहारों का बहुत सम्मान करते हैं,एक ब्रांड के तौर पर हमारा मानना है कि इन खुशियों भरे पल को पूरे परिवार के साथ मनाना चाहिए।हमारे विज्ञापन से समाज के किसी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो हमारा कोई इरादा नहीं था।सम्मान के तौर पर हमने विज्ञापन वापस ले लिया है। ज्वेलरी ब्रांड कंपनी ग्रीवा व अभिनेत्री कृति सेनन के बयानों से तो लगता है कि वह इस देश की हिंदू संस्कृति का सम्मान करते हैं लेकिन उनके आचरण से तो ऐसा नहीं लगता है अगर वह वाकई में इस देश की संस्कृति का सम्मान करते तो इस देश के लोगों की परंपरा व मर्यादा का पालन करते।यह विज्ञापन अगर उन्होंने अपने लिए बनाया होता तो इस पर कोई ध्यान नहीं देता यह विज्ञापन इस देश के लोगों को दिखाने के लिए बनाया गया है तो कंपनी और एक्ट्रेस को इस बात का गंभीरता से ध्यान रखना था कि इससे देश के लोगों को बुरा न लगे। हम अपने घर में खिड़की,दरवाजा बंद कर कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है लेकिन जब हम कुछ भी सार्वजनिक जीवन में करते हैं तो हमारी कुछ करने की स्वतंत्रता असीमित नहीं होती है।हमें कुछ करते हुए दूसरों का ख्याल रखना पड़ता है उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।सभ्य व संस्कृत नागरिक तो उसे ही कहा जाता है कि जिसके आचार विचार से किसी को कोई परेशानी न हो।दूसरे का ख्याल रखने वाले नागरिक ही वास्तव मे देश की सभ्यता व संस्कृति के रक्षक होते हैं और उनके कारण ही देश की सभ्यता व संस्कृति बची रहती है।

सू- दोकू क्र.145

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.144 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -145

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदू विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 144 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
				आ	ग		दा	ना
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

विदेश

ईरान बनाम अफ़ग़ानिस्तान:शरिया में महिलाओं की तुलनात्मक स्थिति

तनवीर जाफ़री

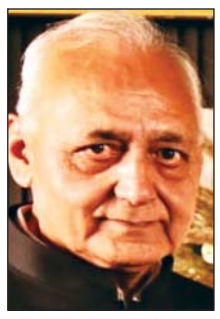

इस्लामी जीवन पद्धति और क़ानूनी व्यवस्था को 'शरिया' कहते हैं। शरिया में इबादत, खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक़,विरासत, अपराध और सज़ा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा क़ुरान ,सुन्नत,हदीस ,इज्मा व क़यास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए ज़माने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफ़ग़ानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक क़ानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल 'पर्सनल लॉ' विवाह, तलाक़ , संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष क़ानून लागू होता है। अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और क़बीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया क़ानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक 'हाइब्रिड' या मिश्रित क़ानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य क़ानून और इस्लामी शरिया क़ानून दोनों का मिश्रण है। सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक,क़ुरआन एक,रसूल एक नमाज़,रोज़ा हज,ज़कात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया क़ानून की व्याख्या अलग अलग क्यों ? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और ग़लत कौन ? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे ? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफ़ग़ानिस्तान में लागू शरिया क़ानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायज़ा लेने की कोशिश करते हैं।

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक़ वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अफ़ग़ानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफ़ग़ानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान

ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख्त पाबंदियों के चलते अब अफ़ग़ानिस्तान में केवल 7% महिलाएँ ही रोज़गार में बची हैं। यहां महिलाओं को ग़ैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का ज़रीया छिन गया। नए तालिबानी क़ानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनज़ादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए क़ानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सज़ा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे । अफ़ग़ानिस्तान में यदि कोई महिला अदालत जाना चाहती है, तो उसे पूरी तरह ढके होकर अपने उसी पुरुष अभिभावक,पति या भाई के साथ आना होगा, जिसने उस पर अत्याचार किया है। महिलाओं से तलाक़ का अधिकार छीन लिया गया है, जबकि बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले नियमों को कड़ा किया गया है। महिलाएँ बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के घर से बाहर लंबी दूरी की यात्रा व सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर सकतीं। यहाँ सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के ऊँची आवाज़ में बोलने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। महिलाओं के पार्क, जिम, मनोरंजन केंद्रों और मेलों में जाने पर पूरी तरह रोक है। लड़कियों की मेडिकल शिक्षा बंद होने के कारण आने वाले समय में देश में महिला डॉक्टरों और दाइयों की भारी कमी होने वाली है। अफ़ग़ान संस्कृति में महिलाएँ पुरुष डॉक्टरों से इलाज नहीं करवा सकतीं, जिसके कारण डॉक्टरों और दाइयों की कमी से मातृ मृत्यु दर में 50% से अधिक की वृद्धि की आशंका जताई गई है। इस तालिबानी दमनकारी माहौल के कारण अफ़ग़ान महिलाओं में मानसिक अवसाद, अकेलेपन और आत्महत्या की प्रवृत्तियों में भारी उछाल आया है। यहाँ की 70% से अधिक महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य 'बेहद ख़राब' है। विभिन्न वैश्विक मंचों पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार तालिबान के इस क्रूर तंत्र का विरोध किया जा रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मदद में कटौती और तालिबान की हठधर्मी के कारण अफ़ग़ान महिलाओं की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। वास्तव में अफ़ग़ानिस्तान में शरिया का कम वहाँ की स्थानीय 'पश्तून क़बीलाई संस्कृति' का अधिक प्रभाव है। उधर ईरान के शरिया मॉडल व इस्लाम के बुनियादी सिद्धांतों व हदीस अनुसार, "ज्ञान प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष और महिला का कर्तव्य है"। यहाँ महिलाओं को पीएचडी और चिकित्सा सहित उच्च शिक्षा प्राप्त करने की पूरी अनुमति है। ईरान में महिलाओं की शिक्षा पर कोई प्रतिबंध न होने की वजह से ही यहाँ महिला साक्षरता दर 85% से अधिक है। इसके अलावा, ईरान के विश्वविद्यालयों में 50% से 60% छात्र महिलाएँ हैं, जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। अधिकांश वैश्विक इस्लामी विद्वान ईरान के इस क़दम को शरिया के अनुकूल मानते हैं। ईरान के शरिया मॉडल में महिलाओं को संपत्ति रखने, व्यापार करने और अपनी कमाई पर पूरा अधिकार रखने की स्वतंत्रता दी गई है। ग़ौर तलब है कि पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद की पत्नी हज़रत ख़दीजा स्वयं एक बड़ी व्यवसायी थीं। ईरान में महिलाएँ डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और संसद सदस्य बन सकती हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकती हैं, जो शरिया के आर्थिक अधिकारों के दायरे में आता है। ईरान में हिजाब या शालीनता शरिया का एक हिस्सा है, लेकिन इसे लागू करने के तरीक़ों पर विवाद है। यहाँ हिजाब अर्थात बालों को ढकना अनिवार्य है और इसका उल्लंघन करने पर 'नैतिकता पुलिस' द्वारा सज़ा भी दी जाती है। मानवाधिकार विशेषज्ञ इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और शरिया की अति-कट्टर व्याख्या मानते हैं। ईरान में शरिया आधारित 'क़सास' (जैसे को तैसा) और इस्लामी दंड क़ानून लागू हैं, लेकिन इसमें एक आधुनिक क़ानूनी प्रक्रिया यानी अदालतें, वकील और अपील का अधिकार शामिल है। जबकि अफ़गानिस्तान में तालिबान की न्याय प्रणाली पूरी तरह अनौपचारिक और क़बीलाई है, जहाँ कोड़े मारना, पत्थरों से मारना,और सार्वजनिक रूप से फांसी देना आम है। अफ़गानिस्तान में महिलाओं को क़ानूनी सुरक्षा या निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार न के बराबर है। अफ़गानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां लड़कियों की शिक्षा को अपराध बना दिया गया है। परन्तु आज ईरान ने जिस तरह अमेरिका जैसी महाशक्ति का मुक़ाबला किया है उसमें ईरान की महिलाओं का भी पुरुषों से कम योगदान नहीं है। ऐसे में शरिया की वातविक और समयानुसार व्याख्या होना बहुत ज़रूरी है। अफ़ग़ानिस्तान जैसी कटरपंथी रूढ़िवादी व क़बीलाई संस्कृति को थोपना कम से कम शरिया क़ानून तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता।

बुझा हुआ चिराग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

नगर पालिका के रोशनी विभाग का गलियारा उस पवित्र तीर्थ की तरह था जहाँ फाइलें मोक्ष की प्रतीक्षा में सदियों तक तपस्या करती थीं। पचहत्तर साल के सुखदेव बाबा हर शाम पाँच बजे वहां इस तरह विराजमान हो जाते थे जैसे किसी भ्रष्ट व्यवस्था की नींव में गड़ा हुआ कोई पुराना काँटा हों। उनके कांपते हाथों में माटी का एक बुझा हुआ दीया होता था जिसकी रुई की बाती पूरी तरह काली पड़ चुकी थी और जो विभाग की कार्यक्षमता का जीवित विज्ञापन मालूम पड़ता था। दफ़्तर का चपरासी जब भी उन्हें वहाँ देखता तो अपनी सरकारी मुस्कान बिखेरते हुए कहता कि बाबा जब शहर भर में एलईडी लाइटें जगमगा रही हैं तो इस मिट्टी के कुलहड़ को अपनी धोती में छिपाकर अफ़सरों के भ्रष्टाचार के रास्ते में क्यों लेट जाते हो। चपरासी की बातों में वह मिठास थी जो केवल उन लोगों में होती है जिन्हें मुफ्त की चाय पीने की आदत लग चुकी हो। सुखदेव बाबा अपनी पुरानी ऐनक के धुंधले शीशे को संभालते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा यह माटी का दीया केवल मिट्टी का बर्तन नहीं है बल्कि इस रोशनी विभाग की उस अंधी संवेदनहीनता का असली चेहरा है जिसने मेरे घर की दीवाली को विभाग की फाइलों की तरह अंधेरे के गर्त में धकेल दिया है। आसपास खड़े सफाईकर्मी और ठेकेदार उनका मज़ाक उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का दिमाग उम्र के साथ उस फाइल की तरह सठिया गया है जिस पर चूहे दावत कर चुके हों। वे हंसते थे क्योंकि विभाग में संवेदना का अकाल था और हंसी ही एकमात्र ऐसी चीज थी जिस पर अभी तक टैक्स नहीं लगा था। सुखदेव बाबा किसी की कड़वी बात का बुरा माने बिना उस काली बाती को अपनी उंगलियों से सहलाते और चुपचाप उन फ़ाइलों का इंतज़ार करते रहते जो सरकारी कछुए की गति से रेंग रही थीं। विभाग में फाइलों की गति प्रकाश की गति से ठीक विपरीत चलती थी। रोशनी विभाग के सभी कर्मठ कर्मचारी सुखदेव बाबा के इस अनूठे नियम से वाकिफ़ हो चुके थे और उन्हें एक ऐसा हठी बुजुर्ग मानकर अनदेखा कर देते थे जो व्यवस्था के चिकने घड़े पर पानी की एक बूंद की तरह था।

दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी फ़ाइलों का पुलिंदा लेकर केबिन की तरफ बढ़ता तो सुखदेव बाबा बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और कहते कि बाबू जी क्या आज उस मुआवजे वाले कागज़ पर साहब की मुहर की कृपा हो गई। बाबू गुस्से में चश्मा उतारकर इस तरह डांटता जैसे बाबा ने उसकी निजी संपत्ति का नक्शा मांग लिया हो। वह कहता कि अरे बाबा जब तक विजिलेंस की जांच रिपोर्ट में ईमानदारी का तड़का नहीं लगेगा और खंभे की रिपोर्ट पोर्टल पर बलि नहीं चढ़ेगी तब तक एक पैसा नहीं मिलेगा। सरकारी पोर्टल वह जादुई गुफा थी जहाँ गरीब की अर्जी जाते ही गायब हो जाती थी। सुखदेव बाबा बिना कोई प्रतिवाद किए वापस अपनी जगह पर बैठ जाते और उस दीये की कालिख को अपनी धोती से पोंछने का वह निरर्थक प्रयास करते जो अक्सर विपक्ष संसद में करता है। मोहल्ले के लोग भी चर्चा करते कि शायद बाबा मुफ्तखोरी की लत के कारण बिजली बिल माफ़ कराने का यह नाटक रच रहे हैं क्योंकि इस देश में ईमानदारी को अक्सर अभिनय ही समझा जाता है।

एक दिन अचानक ज़िले के नए जिलाधिकारी महोदय अपनी सत्ता की चमक बिखेरने और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का जायज़ा लेने पहुँच गए। साहब की गाड़ी आते ही अफ़सरों में वैसी ही अफ़रा-तफ़री मच गई जैसी किसी घोटाले की खबर सुनकर मंत्रियों में मचती है। आनन-फानन में गलियारे को इस तरह साफ किया गया जैसे भ्रष्टाचार को फाइलों के नीचे दबाया जाता है। निरीक्षण के बाद जब जिलाधिकारी महोदय पत्रकारों के कैमरों की रोशनी में बाहर निकले तो उनकी नज़र कंक्रीट के फर्श पर बैठे सुखदेव बाबा पर पड़ी। अपनी संवेदनशील छवि को अखबार की सुर्खियों में सजाने के लिए साहब तुरंत बाबा के पास पहुँचे और दुलार से बोले कि बाबा आप इस उम्र में यह माटी का दीया लिए यहाँ क्यों बैठे हैं क्या आपको सरकारी योजनाओं का अमृत चखने को नहीं मिल रहा है। सुखदेव बाबा ने अपनी सूजी हुई आँखों से साहब की तरफ देखा और वह बुझा हुआ दीया उनकी तरफ ऐसे बढ़ाया जैसे कोई अपना अपराधी हृदय दिखा रहा हो। बाबा बोले कि साहब जी अगर न्याय करना चाहते हैं तो ज़रा इस दीये पर लगी सरकारी मुहर और इसकी काली बाती का वह सच जान लीजिए जो आपकी फाइलों में कहीं दफन हो गया है। साहब ने जब उस माटी के दीये को ध्यान से देखा तो उस पर नगर पालिका के स्टोर की वह मुहर लगी थी जो अक्सर केवल कागजों पर ही चमकती थी। बाबा की आँखों से आंसुओं के दो मोटे कतरे ढलककर उस बुझे हुए दीये पर गिरे और वे बोले कि साहब दो साल पहले दीवाली की रात हमारे मोहल्ले के खंभे पर विभाग का वह नंगा तार टूटकर गिरा था जिसे जोड़ने का बजट अफ़सरों की जेब में जा चुका था। मेरा दस साल का पोता इसी माटी के दीये में तेल डालने चौखट पर आया था कि उस नंगे तार के करंट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। वह मासूम तड़पकर हमेशा के लिए लाचार हो गया और आपके अफ़सरों ने कागज़ों में लिख दिया कि दुर्घटना के लिए विभाग नहीं बल्कि वह बच्चा ही जिम्मेदार था जिसने करंट लगने का साहस किया। मैं रोज़ यह बुझा दीया यहाँ इसलिए लाता हूँ ताकि आपकी इस चमकदार डिजिटल व्यवस्था को बता सकूँ कि तुम्हारी इन महँगी एलईडी लाइटों के पीछे एक गरीब के घर का असली चिराग और विभाग की नैतिकता दोनों बुझ चुके हैं। यह सुनते ही साहब का हाथ कांप गया और पूरा दफ़्तर उस सन्नाटे में डूब गया जो अक्सर किसी बड़े घोटाले के खुलने के बाद सचिवालय में छा जाता है।

सपा का पिछलग्गू बनकर नहीं रहना चाहती कांग्रेस

अजय कुमार,वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राज्य की सियासत का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है और 403 सीटों वाली इस विधानसभा में सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए सभी प्रमुख दल अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का पूरा जोर कानून-व्यवस्था, डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों और लाभार्थी योजनाओं के जरिए अपनी जमीन को और मजबूत करने पर है, हालांकि लोकसभा चुनावों के बाद पार्टी के सामने अपने संगठनात्मक ढांचे को दुरुस्त करने तथा गैर-यादव ओबीसी और दलित मतदाताओं को एक बार फिर पूरी ताकत से अपने पाले में लाने की बड़ी चुनौती खड़ी है। वहीं दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के सहारे बीजेपी को कड़ी टक्कर देने की जुगत में हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों में पीडीए की अलग-अलग और कई बार बदली हुई परिभाषाओं के कारण मतदाताओं के बीच असमंजस की स्थिति भी पैदा हुई है। इसके अलावा, सपा द्वारा ब्राह्मण मतदाताओं को साधने की कोशिशों के बीच जब सवर्णों ने आरक्षण के मसले पर नाराजगी जाहिर की और अखिलेश यादव ने इसे बीजेपी की साजिश करार दिया, तो अगड़े वोटर खासे नाराज नजर आए, जिसका नुकसान पार्टी को उठाना पड़ सकता है।

इन तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद समाजवादी पार्टी टिकट वितरण और जमीनी स्तर पर खुद को मुख्य विपक्षी विकल्प के रूप में पेश करते हुए कई लोकलुभावन वादे कर रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी की तरफ से लगातार बढ़ रहे दबाव के चलते अखिलेश यादव के लिए इस पीडीए गठबंधन को अंत तक बचाए रखना और सीटों के तालमेल को संभालना एक बड़ी अग्निपरीक्षा साबित हो रहा है। इन सबके बीच बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती भी अपने कोर जाटव वोट

बैंक और बूथ स्तर के व्यापक बदलावों के दम पर 2007 के पुराने सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले (दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम) को पुनर्जीवित करने की कोशिश में जुटी हैं, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होने पर विपक्ष के वोटों में बड़ी सेंध लग सकती है। इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा की उत्तर प्रदेश को लेकर बनाई जा रही रणनीति बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही है। कांग्रेस पार्टी ने पिछले लोकसभा चुनावों के बाद मिले सकारात्मक संकेतों को आधार बनाते हुए यूपी में अपनी संगठनात्मक क्षमता को जमीन पर उतारने का जो ताना-बाना बुना है, उसमें राहुल गांधी की राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक न्याय की मुखर राजनीति और प्रियंका गांधी वाड्रा का जमीनी स्तर पर महिलाओं व युवाओं को सीधे जोड़ने वाला लड़की हूं, लड़ सकती हूं जैसी प्राथमिकताओं वाला एंगिल प्रमुख रूप से शामिल है। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इस बार केवल कागजी गठजोड़ तक सीमित रहने के बजाय ब्लॉक और बूथ स्तर तक संगठन सृजन अभियान चलाकर अपनी पुरानी खोई हुई जमीन वापस पाने की फिराक में है। प्रियंका गांधी की यूपी की राजनीति में सक्रिय भूमिका और पर्दे के पीछे चल रही बैठकों के संकेत यह बताते हैं कि कांग्रेस इस बार विधानसभा चुनाव में खुद को महज एक पिछलग्गू दल के रूप में पेश करने के बजाय सम्मानजनक सीटों और मजबूत हिस्सेदारी के साथ मैदान में उतरना चाहती है। राहुल गांधी के संविधान बचाओ और पीडीए समर्थित जनादेश वाले मुद्दों को कांग्रेस कार्यकर्ता यूपी के गांव-गांव तक पहुंचाने की योजना बना रहे हैं, जिससे समाजवादी पार्टी पर भी लगातार यह दबाव बना हुआ है कि वह गांधी परिवार और कांग्रेस को साथ लेकर चले ताकि विपक्षी मतों का बिखराव रोका जा सके। हालांकि, 202 सीटों के जादुई आंकड़े को पार कर बहुमत हासिल करने के लिए जहां एक तरफ बीजेपी अपनी चुनावी मशीनरी को धार दे रही है, वहीं विपक्ष के खेमे में खासकर कांग्रेस और सपा के बीच सीट शेयरिंग का यह पेंच और राहुल-प्रियंका की जोड़ी का यूपी में आक्रामक प्रचार अभियान तय करेगा कि 2027 का यह दंगल वास्तव में किस करवट बैठेगा।

पेगड़ापल्ली के जंगल में एक नक्सली गिरफ्तार, बड़ी संख्या में विस्फोटक व हथियार बरामद

■ डीआरजी और बासागुड़ा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 30 अगस्त। नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। थाना बासागुड़ा एवं डीआरजी की संयुक्त टीम ने ग्राम पेगड़ापल्ली के जंगल क्षेत्र में अभियान चलाकर नक्सलियों के विस्फोटक डंप का पता लगाया है। कार्रवाई के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया, जिसकी निशानदेही और तलाशी में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, हथियार, कारतूस एवं नक्सली उपयोग की अन्य सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभियान के दौरान बोगम लखमू पिता पाण्डू, उम्र 39 वर्ष, निवासी चिन्नागेलूर, थाना तर्रेम को संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने पूर्व में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के चिन्नागेलूर छ्यस्र्स सदस्य के रूप में काम करना स्वीकार किया। साथ ही उसने नक्सलियों की सामग्री और विस्फोटक को छिपाने के लिए ले जाने की बात भी कबूल की।

पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में आरोपी के कब्जे से 50 हजार 50 रुपये नगद, एक बीजीएल लांचर, 18 बीजीएल सेल, 12 तीर बम, एक हैंड ग्रेनेड, 303 के 15 जिंदा राउंड, 31 बीजीएल कार्ट्रिज, एक इंसास की खाली मैगजीन, बिजली वायर, तीन राउंड चार्जर और एक ईमीटर लीड बरामद किया गया।

बड़े हमले की साजिश नाकाम?

भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियारों की बरामदगी को सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। बरामद सामग्री के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि नक्सली संगठन किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हो सकता था, हालांकि पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। बरामद सभी सामग्री को विधिवत सीलबंद कर पंचनामा तैयार किया गया। आरोपी के विरुद्ध विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित अन्य सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। थाना बासागुड़ा एवं डीआरजी की संयुक्त कार्रवाई को नक्सल विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

एक नजर

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन

कांकेर 30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार द्वारा दिए गए निर्देशानुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने के साथ ही उनसे आवेदन प्राप्त करने के लिए जिले के शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ एवं योजना के नोडल अधिकारी श्री हरेश मंडावी से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों में उपभोक्ताओं को योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करने के साथ ही उनसे आवेदन प्राप्त करने के लिए 01 सितंबर मंगलवार को नरहरपुर के तहसील कार्यालय परिसर में शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार 02 सितंबर बुधवार को न्यू कम्युनिटी हॉल कांकेर में और 03 सितंबर गुरुवार को नगर पंचायत चारामा में बस स्टैंड के बाजू स्थित गांधी मैदान में शिविर लगाया जाएगा। सोलर प्लांट लगवाने के इच्छुक उपभोक्ता उक्त शिविर में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों में सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत सोलर प्लांट लगवाने पर 01 किलोवाट क्षमता के लिए 45 हजार रुपए, 02 किलोवाट क्षमता के लिए 90 हजार रुपए और 03 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट स्थापित करने पर 01 लाख 08 हजार रुपए की सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। उपभोक्ता इस अवसर का फायदा उठाते हुए अपने घरों में सोलर प्लांट लगवा सकते हैं।

महज 1,000 रुपये के ऑनलाइन लोन नही देने पर युवती को किया जा रहा ब्लैकमेल

जगदलपुर,30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र की एक युवती साइबर अपराधियों के जाल में फंस गई है। यह मामला हर स्मार्टफोन यूजर के लिए आंखें खोल देने वाला है, जहां महज कुछ रुपयों की उधार नही चुका पाने पर असामाजिक तत्व युवती को अश्लील फोटो (एडिटेड फोटो) दिखाकर और उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 वर्षीय एक पीड़िता ने कुछ समय पहले एक ऑनलाइन मोबाइल ऐप के जरिए 1,000 रुपये का छोटा सा लोन लिया था। समय पर लोन की रकम वापस नही हो पाने पर अज्ञात साइबर ठगों ने प्रताड़ना का घिनौना खेल शुरू कर दिया। आरोपी अलग-अलग मोबाइल नंबरों से युवती को कॉल और मैसेज कर अश्लील तस्वीरें भेज रहे हैं, और धमकी दे रहे हैं, कि यदि तुरंत पैसों का भुगतान नहीं किया गया, तो इन तस्वीरों को उसके रिश्तेदारों और व्हाट्सएप ग्रुप्स में वायरल कर दिया जाएगा। लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर पीड़िता ने बीते दिन कोतवाली थाने पहुंचकर आप-बीती सुनाई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) और IT Act की धारा 66 व 67 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साइबर टीम उन सभी संदिग्ध नंबरों को ट्रेस करने में जुट गई है। इसके साथ ही पुलिस के द्वारा इस मामले में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। बस्तर पुलिस ने अपील करते हुए कहा कि प्ले स्टोर या अनधिकृत स्रोतों से बिना जांच-परख के ऐसे फर्जी लोन ऐप्स डाउनलोड न करें, क्योंकि ये ऐप्स मोबाइल डेटा और तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर ब्लैकमेलिंग का जरिया बनते हैं।

सुकमा के पोटाकेबिन पोलमपल्ली की 24 छात्राएं हुई बीमार, एक गंभीर

सुकमा, 30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में स्थित बालिका पोटाकेबिन पोलमपल्ली में दो दिनों के भीतर 24 छात्राओं के अचानक बीमार पडने से हड़कंप मच गया है। छात्राओं को बुखार, उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद उपचार के लिए दोरनापाल स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इनमें से एक छात्रा की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर उपचार के लिए सुकमा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बीमारी की वजह जानने के लिए भोजन, पानी और अन्य संभावित कारणों की जांच किए जाने की संभावना है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता बीमार छात्राओं को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना और पोटाकेबिन में अन्य छात्राओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना है। मिली जानकारी के अनुसार, पोटाकेबिन में लगभग 350 छात्राएं अध्ययनरत हैं। लगातार छात्राओं के बीमार होने की जानकारी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन में हड़कंप मच गया।

पुल नहीं होने से ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर

माओवादी घटना के बाद बंद हुआ पुल निर्माण, वर्षों बाद भी नहीं हुई शुरुआत

■ 7-8 साल से अधूरा पुल, उफनती नदी पार कर रहे ग्रामीण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 30 अगस्त। विकास के दावों के बीच यह तस्वीर उन गांवों की हकीकत सामने लाती है, जहां आज भी एक पुल के अभाव में लोगों को उफनती नदी के भरोसे अपनी जिंदगी दांव पर लगानी पड़ रही है।

धुरली और मुलसनार के बेरमा गांव के बीच बहने वाली बड़ा नाला नदी पर पुल नहीं होने के कारण मुलसनार सहित आसपास के कई गांवों के ग्रामीण बारिश के दिनों में जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं। नदी का पानी बढ़ने और बहाव तेज होने के बावजूद लोगों के पास आने-जाने का कोई सुरक्षित विकल्प नहीं है।

राशन के लिए धुरली जाना हो, अस्पताल जाना हो, बाजार का काम हो या रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करनी हों—ग्रामीणों को इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। यहां तक कि किसी अपने की मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए भी ग्रामीणों को इसी उफनती नदी को पार कर धुरली पहुंचना पड़ता है।

सालों पहले शुरू हुआ काम, आज तक अधूरा

बताया जा रहा है कि करीब 7-8 साल पहले नदी पर पुल निर्माण का काम शुरू किया गया था। लेकिन माओवादी घटना में निर्माण कार्य में लगी मशीनरी को आग के हवाले किए जाने के बाद काम बंद हो गया। इसके बाद कुछ अज्ञात तत्वों द्वारा भी निर्माण कार्य को नुकसान पहुंचाए जाने की बात सामने आई। लेकिन सवाल यह है कि घटना के बाद काम बंद हुआ तो इतने सालों में उसे दोबारा शुरू क्यों नहीं कराया गया?

एक तरफ सरकार गांव-गांव सड़क और पुल पहुंचाने के दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ मुलसनार और आसपास के ग्रामीण आज भी एक नदी को पार करने के लिए मजबूर हैं।

बाइक गांव में नहीं, नदी के इस पार छोड़नी पड़ती है

ग्रामीणों की परेशानी सिर्फ पैदल नदी पार करने तक सीमित नहीं है। किसी काम से धुरली आने वाले कई ग्रामीण अपनी बाइक धुरली में ही खड़ी कर देते हैं। बाइक को झिल्ली से ढककर छोड़ना पड़ता है और खुद नदी पार करके मुलसनार लौटना पड़ता है। बारिश के दिनों में नदी का बहाव बढ़ने पर यह रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है। कब पैर फिसले, कब तेज बहाव किसी को अपने साथ बहा ले जाए—इसका कोई भरोसा नहीं।

कई बार जानकारी, फिर भी जिम्मेदारी किसकी?

ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण को लेकर कई बार शासन-प्रशासन को जानकारी दी गई, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। अब सवाल सिर्फ पुल का नहीं है। सवाल यह है कि 7-8 साल से अधूरा पड़ा पुल आखिर कब पूरा होगा?

क्या किसी बड़े हादसे के बाद शासन-प्रशासन जागेगा?

और सबसे बड़ा सवाल– क्या मुलसनार और आसपास के ग्रामीणों को सुरक्षित रास्ता मिलना उनका अधिकार नहीं है? ग्रामीणों की मांग है कि बड़ा नाला नदी पर अधूरे पड़े पुल का निर्माण तत्काल शुरू कराया जाए, ताकि बारिश के मौसम में उन्हें अपनी और अपने परिवार की जान जोखिम में डालकर नदी पार न करनी पड़े।

मानसून में बस्तर के चित्रकोट-तीरथगढ़ जलप्रपात में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 30 अगस्त। मानसून में चित्रकोट जलप्रपात इन दिनों अपने पूरे शबाब पर है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं, 15 अगस्त के बाद से यहां पर्यटकों की बड़ी संख्या लगातार बनी हुई है। शनिवार और रविवार को पर्यटकों की संख्या इतनी बढ़ जाती है, कि पार्किंग स्थल में जगह कम पड़ जाती है। कई लोगों को अपनी गाड़ियां जलप्रपात से काफी दूर खड़ी करनी पड़ती हैं। बड़ी संख्या में परिवार, युवा और दूसरे राज्यों से आए पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। मानसून में पानी बढ़ने से चित्रकोट जलप्रपात पर्यटकों को खासा आकर्षित कर रहा है। कांगेर घाटी क्षेत्र का तीरथगढ़ जलप्रपात भी मानसून में पर्यटकों की पसंद बना हुआ है, जहां सीढ़ीनुमा चट्टानों से गिरता पानी देखने के लिए लगातार पर्यटक पहुंच रहे हैं। चित्रकोट जलप्रपात के साथ तीरथगढ़ और बस्तर के दूसरे पर्यटन स्थलों को भी पर्यटक अपनी यात्रा में शामिल कर रहे हैं। बस्तर आने वाले पर्यटक अब सिर्फ एक पर्यटन स्थल तक सीमित नहीं रह रहे हैं। चित्रकोट, तीरथगढ़ सहित आस-पास के कई प्राकृतिक और पर्यटन स्थलों की सैर कर रहे हैं। पिछले सप्ताह रायगढ़ से बाइक राइडर्स की एक टीम बस्तर पहुंची। टीम ने बस्तर के अलग-अलग पर्यटन स्थलों की सैर की। इस दौरान बाइक राइडर्स ने बस्तर की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ यहां के पर्यटन स्थलों को भी सोशल मीडिया पर दिखाया। उन्होंने लोगों को यह संदेश दिया कि बस्तर अब शांत है और पर्यटक यहां बेफिक्र होकर घूमने आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर बस्तर की तस्वीरें और वीडियो लगातार पहुंचने से दूसरे शहरों और राज्यों के लोगों में भी यहां घूमने को लेकर रुचि बढ़ रही है। यही वजह है कि इस मानसून में बस्तर के पर्यटन स्थलों पर बाहरी पर्यटकों की मौजूदगी पहले के मुकाबले ज्यादा नजर आ रही है।

अबूझमाड़ में घोटुलों में चार दशक बाद एक बार फिर गूंज रही मांदर की थाप

नारायणपुर, 30 अगस्त। जिले के अबूझमाड़ के ग्रामीण चार दशक तक नक्सली हिंसा और भय के साये में अपनी सांस्कृतिक विरासत से दूर रहे, लेकिन अब फिर अपनी परंपराओं की ओर लौट रहे हैं। कभी शाम होते ही गांवों में छा जाने वाला सन्नाटा अब कई जगह मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों से टूट रहा है। घोटुलों में चेलिक और मोटियारिनों की मौजूदगी बढ़ने लगी है। युवा पारंपरिक नृत्य और गीतों के जरिए अपनी संस्कृति से दोबारा जुड़ रहे हैं। बुजुर्गों के लिए यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि उस सामाजिक जीवन की वापसी है, जो लंबे समय तक नक्सल हिंसा के कारण प्रभावित रहा। अब घोटुल की रौनक अबूझमाड़ में बदलते माहौल और लौटते भरोसे की तस्वीर बन रही है।

अबूझमाड़ में लंबे समय तक नक्सल हिंसा का असर केवल सुरक्षा और आवागमन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि गांवों के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन पर भी पड़ा, शाम होते ही ग्रामीण घरों में सिमट जाते थे। सार्वजनिक रूप से जुटना, त्योहार मनाना और पारंपरिक आयोजनों में शामिल होना जोखिम भरा माना जाता था। इसका असर घोटुल जैसी सामुदायिक संस्थाओं पर भी पड़ा और कई जगह इनकी गतिविधियां लगभग थम गईं। अब परिस्थितियों में बदलाव के साथ ग्रामीण जीवन की पुरानी लय लौटती दिखाई दे रही है। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने और नक्सल प्रभाव कम होने से गांवों में लोगों का भरोसा बढ़ा है। शाम होते ही युवा घोटुल की ओर

पहुंचने लगे हैं। मांदर की थाप के साथ पारंपरिक गीत और नृत्य शुरू होते हैं। चेलिक और मोटियारिन अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों के लिए यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि घोटुल उनके सामाजिक जीवन का अहम हिस्सा रहा है। यहां युवा गीत-संगीत और नृत्य के साथ अनुशासन, सामूहिकता और सामाजिक व्यवहार भी सीखते हैं। बुजुर्गों का कहना है कि घोटुलों में लौटती चहल-पहल यह संकेत है कि अबूझमाड़ में केवल शांति ही नहीं लौट रही, बल्कि लंबे समय से प्रभावित सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन भी फिर से सांस लेने लगा है। अबूझमाड़ की आदिवासी संस्कृति प्रकृति, सामुदायिक जीवन और लोक परंपराओं से गहराई से जुड़ी है।

काम दिलाने के बहाने नाबालिग का यौन शोषण तीन आरोपित गिरफ्तार

कांकेर, 30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के बड़गांव थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिकाओं के यौन शोषण के मामले में पुलिस ने आज शनिवार को तीन आरोपियों व्यंकटेश्वर नायक (22), पुनीत जैन (21) और कन्हैया दास वैष्णव (30) निवासी करेंगांव, थाना सिकसोड़ को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर काम दिलाने के बहाने बालिकाओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। इस मामल में 25 अगस्त को एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी और उसकी सहेली के लापता होने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई थी।रिपोर्ट पर बड़गांव थाने में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 24/2026 के तहत बीएनएस की धारा 137 (2), 64(1), 65(1), 3(5) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत दर्ज मामले में बड़गांव पुलिस ने विशेष टीम बनाकर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर तीनों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

22 पेटियों में रखी 187.200 लीटर अवैध शराब के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

कोंडागांव, 30 अगस्त। जिले में अवैध मदिरा के परिवहन के खिलाफ आबकारी विभाग की टीम ने बीती रात को आल्टो के-10 कार से अन्य प्रांत की शराब का अवैध परिवहन करते दो आरोपियों श्याम सुंदर बघेल और तुलसी बघेल, निवासी सोरगांव, थाना भानपुरी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में वाहन से 22 पेटियों में रखी 1,440 नग पाव विदेशी मदिरा, कुल 187.200 बल्क लीटर शराब बरामद की गई। आबकारी विभाग के अनुसार जब्त शराब की अनुमानित कीमत ?1,72,800 तथा परिवहन में प्रयुक्त आल्टो के-10 वाहन की कीमत करीब ?5,10,000 है। दोनों को मिलाकर कुल ?6,82,800 की सामग्री जब्त की गई। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त पी.एस. एल्मा, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं जिला आबकारी अधिकारी डिगेश देवांगन के निर्देशन में आबकारी उपनिरीक्षक मोरजध्वज साहू के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्याम सुंदर बघेल और तुलसी बघेल, निवासी सोरगांव, थाना भानपुरी, जिला बस्तर के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही उपरांत आज शुक्रवार को उन्हें रिमांड पर रवाना किया गया।

न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित को सुनाई 20 साल की सजा

कोंडागांव, 30 अगस्त। जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र में 16 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायालय (पॉक्सो) ने आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड नहीं चुकाने पर आरोपी को एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। न्यायालय के अनुसार आरोपी देवनाथ नेताम, निवासी सोनाबेड़ा प्लाटपारा, थाना फरसगांव, के विरुद्ध अपराध क्रमांक 12ह्र5/2025 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। प्रकरण में आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(m), 65(1) तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 6 के तहत आरोप सिद्ध पाए गए। न्यायालय ने POCSO अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। आदेश में बताया गया कि आरोपी 3 अक्टूबर 2025 से 15 जुलाई 2026 तक कुल 286 दिन न्यायिक अभिरक्षा में रहा।

नक्सली हिंसा में माता-पिता खोए राकेश कड़ती ने बस्तर का नाम रोशन किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 30 अगस्त। कभी नक्सली हिंसा में माता-पिता का साया खोने वाले बीजापुर के युवा सॉफ्टबॉल खिलाड़ी राकेश कड़ती ने संघर्षों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने खेल को अपना लक्ष्य बनाया और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर बस्तर का नाम रोशन किया। अब उनकी इस उपलब्धि को राज्य स्तर पर सम्मान मिला है।

छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर घोषित राज्य खेल पुरस्कारों में राकेश कड़ती का चयन वर्ष 2023-24 के प्रतिष्ठित 'शहीद कौशल यादव पुरस्कार' के लिए किया गया है। 29 अगस्त 2026 को आयोजित राज्य खेल पुरस्कार अलंकरण समारोह में उन्हें 1.50 लाख रुपए की नकद राशि, अलंकरण फलक, मान-पत्र एवं सेरेमोनियल ड्रेस प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बताया गया कि अविभाजित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में यह पहला अवसर है, जब बस्तर संभाग के किसी खिलाड़ी को राज्य खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राकेश की यह उपलब्धि बस्तर की खेल प्रतिभाओं के लिए बड़ी प्रेरणा मानी जा रही है।

नक्सली हिंसा में खोए माता-पिता

राकेश कड़ती ने बचपन में नक्सली हिंसा के दौरान अपने पिता स्व. सोमैया कड़ती और माता स्व. शांति कड़ती को खो दिया था। जीवन के इस कठिन दौर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने उनका सहयोग किया और उन्हें टुमॉरो फाउंडेशन में दाखिला दिलाकर शिक्षा एवं बेहतर भविष्य की राह दिखाई।

इसके बाद बीजापुर जिला प्रशासन द्वारा स्थापित बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी में उन्होंने सॉफ्टबॉल खेलना शुरू किया। सॉफ्टबॉल प्रशिक्षक एवं उत्कृष्ट खिलाड़ी सोपान कर्णेवार के मार्गदर्शन में राकेश ने खेल की बारीकियां सीखीं और लगातार मेहनत करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई।

11 साल की उम्र से शुरू किया सफर

राकेश ने महज 11 वर्ष की उम्र से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना शुरू कर दिया था। वर्ष 2021 की सब-जूनियर सॉफ्टबॉल नेशनल चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता। वर्ष 2022 में सब-जूनियर एवं जूनियर वर्ग में दो रजत पदक हासिल किए, जबकि वर्ष 2023 की जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

लगातार शानदार प्रदर्शन के चलते राकेश का चयन भारतीय टीम में हुआ। उन्होंने अंडर-18 पुरुष सॉफ्टबॉल एशिया कप, कोच्चि 2023 तथा द्वितीय अंडर-23 पुरुष सॉफ्टबॉल एशिया कप, बैंकॉक 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

बस्तर के युवाओं के लिए प्रेरणा

बीजापुर कलेक्टर विश्वदीप ने राकेश कड़ती को राज्य खेल पुरस्कार के लिए चयनित होने पर बधाई देते हुए इसे बीजापुर और पूरे बस्तर के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि राकेश की सफलता जिले के अन्य युवाओं और उभरते खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

राकेश कड़ती की कहानी केवल एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि संघर्ष के बीच अवसर तलाशकर आगे बढ़ने की मिसाल है। जिस बच्चे ने कम उम्र में माता-पिता का साया खो दिया, उसी ने अपने हौसले और मेहनत से बस्तर को खेल के मानचित्र पर नई पहचान दिलाई है।

जरूरतमंद परिवारों के घर के सपने को हकीकत में बदलती है आवास योजना

कच्चे मकान में बारिश, नमी और जहरीले जीव-जंतुओं का रहता था डर, अब सुरक्षित घर में सम्मान के साथ जीवनयापन कर रही दूरपति राठिया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 30 अगस्त। अपना घर होना हर व्यक्ति के जीवन का एक बड़ा सपना होता है। मेहनत-मजदूरी कर जीवन चलाने वाले परिवारों के लिए पक्का मकान बनाना आसान नहीं होता। रोज की कमाई से परिवार की जरूरतें पूरी करना ही चुनौती हो, तो घर बनाने के लिए बचत कर पाना मुश्किल होता है। ऐसे में शासन की आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और पक्के आशियाने की उम्मीद को हकीकत में बदलने का माध्यम बन रही है। तमनार विकासखंड के ग्राम पंचायत महलोई की रहने वाली दूरपति राठिया भी ऐसे ही संघर्षपूर्ण जीवन से गुजरी हैं। विधवा एवं एकल महिला दूरपति मेहनत-मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती हैं। सीमित आमदनी में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना ही उनके लिए चुनौती थी। पक्का मकान बनाना उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर था। लंबे समय तक वह कच्चे मिट्टी के मकान में रहती थीं। बरसात का मौसम उनके लिए सबसे अधिक परेशानी लेकर आता था। बारिश में छत से पानी टपकता और घर के भीतर नमी व गंदगी फैल जाती थी। कच्ची दीवारों के कमजोर होने से गिरने का डर बना रहता था। ऐसे हालात में सुरक्षित छत की कमी हर समय महसूस होती थी। इन परिस्थितियों के बीच दूरपति मेहनत-मजदूरी करते हुए अपने पक्के घर की आस लगाए रहीं। उनका मानना था कि यदि कभी पक्का मकान मिल जाए तो बारिश और मौसम की परेशानियों से काफी राहत मिलेगी तथा वह सुरक्षित माहौल में अपना जीवन गुजार सकेंगी।

दूरपति की यह उम्मीद प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से पूरी हुई। योजना के अंतर्गत उनका आवास स्वीकृत हुआ और निर्माण के लिए शासन से सहायता राशि प्राप्त हुई। इसके बाद उनके पक्के घर के निर्माण का रास्ता खुला और आखिरकार उनका वर्षों पुराना इंतजार खत्म हुआ। आज दूरपति अपने नए पक्के प्रधानमंत्री आवास में सुरक्षित जीवन बिता रही हैं। पक्के घर ने उनके जीवन में स्थायित्व के साथ आत्मविश्वास और सुकून भी बढ़ाया है। नए घर के सामने खड़ी दूरपति के चेहरे की खुशी उनके जीवन में आए इस बदलाव को साफ बयां करती है। जिन परिस्थितियों में पक्का घर उनके लिए केवल एक सपना था, आज वही सपना एक मजबूत और सुरक्षित आशियाने के रूप में उनके सामने है। प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का आधार बनी है।दूरपति राठिया ने पक्का आवास मिलने पर शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि अपने पक्के घर में रहना उनके लिए बेहद खुशी और सुकून का अनुभव है।

समाचार संक्षेप

भगवान महावीर करुणाशील थे व्यक्ति सुबह एक नियम जरूर ले

■ किसी पर भरोसा नहीं करें और ना ही कभी सामने वालों से अपेक्षा रखें : अक्षयमुनिजी मसा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 30 अगस्त। भगवान महावीर के पास अनेक शक्तियां थीं,वे करूणाशील थे, महावीर जंगलों में साधना करने के लिए गए थे जहां पर अनेक प्रकार की दिक्कतें आई लेकिन उन्होंने पलायन नहीं किया। जंगलों में भगवान को देव, दानव , मानव सबने सताया लेकिन चेतना जागृत अवस्था में थी, आदमी को विराट विश्व में चलना है तो तैयारी करो सिर्फ नकारात्मक सोच को इकट्ठा मत करो, कचरों की पोटली की महिमा मंडित नहीं करें। मोह में रहा हुआ आदमी को कुछ भी नजर नहीं आता, संसार में पुण्यवाणी चलेगी पुण्य प्रबल है तो कुछ नहीं हो सकता। धर्म कहता है पुण्य इतना इकट्ठा करें कि अग्नि भी शीतल बन जाती है। सीता में गहरा धर्म बैठा था जहां अग्नि भी कुछ नहीं कर पाई, निष्ठा ,समर्पण होना चाहिए सिर्फ शब्दों को ऊपर से दोहराने से कुछ नहीं होता। हर जीव से दुश्मनी नहीं मित्रता रखें। किसी पर भरोसा नहीं करें और सामने वालों से अपेक्षा भी मत पालो , किसी की जी हजूरी नहीं करें। संसार बड़ा विचित्र है, निद्रा में मत सोए रहो। जो ज्यादा पसंद है वही अगली गति में प्राप्त होती है, जिंदगी के यथार्थ को समझो। विश्व का गणित हमेशा उतार-चढ़ाव भरा रहता है कभी भी अहंकार के लिए कार्य नहीं करना। दान पूर्ण करने के बाद अहंकार नहीं करें ज्ञान का प्रकाश करें उद्गार धर्म सभा में समता भवन में शासन दीपक अक्षय मुनि मसा ने कहा।

कलेक्टर ने जनमन योजना से बनाए जा रहे आवासीय हॉस्टल का किया निरीक्षण

20 दिन में काम पूरा करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी 30 अगस्त। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज बाजारकुर्रीडीह में जनमन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन 50 सीटर हॉस्टल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए भवन के विभिन्न कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय में प्रस्तावित कक्षों में पेयजल, शौचालय एवं विद्युत जैसी आवश्यक सुविधाओं के बारे में भी पूछा। साथ ही भवन की सुरक्षा और निर्धारित निर्माण मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने शेष कार्य को 20 दिनों के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आवासीय विद्यालय के तैयार होने से कमार जनजाति के बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि जनमन योजना के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके बेहतर भविष्य के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विमल साहू सहित क्षेत्र के पंचायत पदाधिकारी, जनजातीय एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया संवाद में गूंजा खेल, फिटनेस और युवा शक्ति का संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 30 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवाओं में खेल भावना, फिटनेस, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा जिला प्रशासन धमतरी के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद ङ्क खेल की बात क्कक्र स्लष्ठ्ठ के साथ' कार्यक्रम का आयोजन भोपाल राव पवार शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, रुद्री में किया गया। कार्यक्रम में जिले के युवाओं ने खेल, फिटनेस, अनुशासन, नेतृत्व, नवाचार, कौशल तथा विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका पर सार्थक संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशभर के खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद का सीधा प्रसारण किया गया।

प्रधानमंत्री के प्रेरक विचारों और खिलाड़ियों के अनुभवों ने उपस्थित युवाओं में खेल के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। युवाओं ने खेलों को केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम न मानकर स्वस्थ जीवनशैली, व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बनाने का संकल्प लिया।

एक नजर

एकलव्य विद्यालय में कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री से प्रवेश

रायगढ़, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटेमुड़पार, खरसिया में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में कुल 19 रिक्त सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। रिक्त सीटों में कक्षा 8वीं में 1, कक्षा 9वीं में 1 तथा कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में 16 और कला संकाय में 1 सीट शामिल है। इच्छुक पालक एवं विद्यार्थी विद्यालय कार्यालय में संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन के साथ अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, जाति, निवास एवं फोटो संलग्न करना होगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 सितंबर 2026 शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। कक्षा 8वीं एवं 9वीं अंग्रेजी माध्यम में अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में 9 सितंबर 2026 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा 11वीं में कक्षा 10वीं की अंकसूची के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी हेतु एडमिशन इंचार्ज श्री जवाहर लाल सिन्हा (पीजीटी हिन्दी) से मोबाईल नंबर- 8839201173 पर संपर्क कर सकते है।

दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

धमतरी, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा 24 अगस्त को दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय किया गया। उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि जिना प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग धमतरी के संयुक्त सहयोग से जिले के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। इसके तहत जरूरतमंद दिव्यांगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरण प्रदान किए गए। नगरी तहसील के अंतर्गत ग्राम उमरगांव निवासी 75 वर्षीय की झाड़ू राम, जो कि 54 प्रतिशत श्रवणबाधित हैं, उन्हें कान की मशीन प्रदान की गई। इसी तरह ग्राम सोरम निवासी 41 वर्षीय मुकेश कुमार पुत्र जो कि 90 प्रतिशत अस्थिबाधित हैं, उनके सुगम आवागमन के लिए ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। सहायक उपकरण पाकर हितग्राहियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने जिला प्रशासन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग धमतरी के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुकरेल जर्जर स्कूल भवन के लिए अतिरिक्त कक्षों का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

धमतरी, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। । कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज कुकरेल में संचालित लाइब्रेरी एवं शासकीय माध्यमिक शाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। लाइब्रेरी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकों को व्यवस्थित ढंग से रखने तथा अध्ययन के लिए आने वाले युवाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए वीबीजी-राम योजना के तहत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। शासकीय माध्यमिक शाला के निरीक्षण के दौरान शिक्षकों ने कलेक्टर को बताया कि स्कूल के अधिकांश भवन जर्जर हो चुके हैं। इस पर कलेक्टर मिश्रा ने विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो-तीन अतिरिक्त कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूल में मध्यान्ह भोजन कर रहे बच्चों से बातचीत कर भोजन की गुणवत्ता और उपलब्ध कराए जा रहे भोजन के संबंध में जानकारी ली।

अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों के लिए बड़ी राहत, दो महीने में 6 हजार से अधिक मरीजों ने कराई जांच

जिला चिकित्सालय रायगढ़ में 25 हजार से अधिक जांच, 134 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 30 अगस्त। छत्तीसगढ़ सरकार की अटल आरोग्य लैब योजना आम नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के तहत किरोड़ीमल जिला चिकित्सालय, रायगढ़ में मरीजों को विभिन्न प्रकार की जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। बीते दो माह में यहां 6,044 मरीजों ने इस सुविधा का लाभ लिया है, जबकि कुल 25,835 जांचें की जा चुकी हैं।

जिला चिकित्सालय में स्थापित अटल आरोग्य लैब के माध्यम से 134 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचों की सुविधा उपलब्ध है। इससे मरीजों को महंगी जांचों के लिए निजी पैथोलॉजी सेंटरों का सहारा लेने की आवश्यकता कम हुई है। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सुविधा बड़ी राहत बनकर सामने आई है। अटल आरोग्य लैब का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक एवं विश्वसनीय जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए आवश्यक जांच अपने ही जिले और नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में मिल सके। इससे ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

योजना के तहत जांच प्रक्रिया को आधुनिक और सुविधाजनक बनाया गया है। जांच के बाद रिपोर्ट डिजिटल माध्यम से मरीजों तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई है। इससे मरीजों को रिपोर्ट लेने के लिए बार-बार अस्पताल आने की परेशानी कम होती है और उपचार प्रक्रिया में भी तेजी आ रही है। अटल आरोग्य लैब के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में जांच सुविधाओं का विस्तार होने से मरीजों को समय पर जांच, बेहतर उपचार और आर्थिक बचत का लाभ मिल रहा है।

सीटू ने नए मुख्य महाप्रबंधक का स्वागत कर मांगों के संबंध में चर्चा भी की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 30 अगस्त। हिन्दुस्तान स्टील एम्पलाईज यूनियन (सीटू) के पदाधिकारियों ने आज मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) राजहरा खदान समूह ए.के. सिंह का दल्ली राजहरा में पदभार ग्रहण करने पर, माइंस ऑफिस के सभागार में गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। साथ ही माइंस के उत्पादन बढ़ाने, ठेका एवं नियमित कर्मचारियों की मांगों के संबंध में चर्चा भी की गई।

चर्चा के दौरान नए मुख्य महाप्रबंधक ने सीटू के पदाधिकारियों से कहा कि आप सभी के सहयोग और सकारात्मक पहल से माइंस के उत्पादन को कंपनी की जरूरत के अनुरूप नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में सफलता मिलेगी। वर्तमान समय प्रतिस्पर्धात्मक युग है, हमें अपने आप को बनाए रखने और सेल का महारत्न कंपनी का दर्जा बनाए रखने के लिए और कड़ी मेहनत करनी होगी।

यूनियन की ओर से अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह, सचिव पुरुषोत्तम सिमैया, संगठन सचिव प्रकाश क्षत्रीय एवं कोषाध्यक्ष जे गुरुवुलु ने मुख्य महाप्रबंधक को भरपूर सहयोग देने का वादा किया। साथ ही उन्होंने नियमित एवं ठेका श्रमिकों की ओर से 25 सूत्रीय मांगपत्र भी मुख्य महाप्रबंधक को सौंपा। महाप्रबंधक ने यूनियन को आश्वासन दिया कि आपकी मांगों पर अवश्य विचार किया जाएगा और जितना ज्यादा से ज्यादा पूरा हो सके, वह प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में कई गंभीर चुनौतियां हैं, जो उत्पादन बढ़ाने में रुकावट बन रही हैं, पहले उन समस्याओं का निराकरण किया जाएगा, उसके साथ ही आपके द्वारा दिए गए ज्ञापन का भी निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दल्ली राजहरा में मैंने अभी कुछ ही समय पहले पदभार ग्रहण किया है,यहां की स्थिति समझने के लिए मुझे थोडा वक्त चाहिए। सबसे पहले माइंस की समस्याएं हैं, उनका हल निकालने दीजिए। आपको विश्वास दिलाता हूं कि जल्द ही आपकी समस्याओं का भी निराकरण होगा।

8 माह बाद भी मांगें लंबित, पूर्व प्रबंधन का रवैया रहा उदासीन : सीटू

ज्ञापन में उल्लेख है कि आई.ओ.सी. दल्ली राजहरा के नियमित एवं ठेका श्रमिकों की सुविधाओं, लाभों एवं व्यवस्था में सुधार हेतु यूनियन द्वारा 16 जनवरी को माइंस कार्यालय राजहरा के समक्ष प्रदर्शन एवं 15 से 17 अप्रैल तक तीन दिवसीय धरना कार्यक्रम के माध्यम से प्रमुख मांगों को प्राथमिकता पूर्वक हल करने का आग्रह किया गया था। किन्तु बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि 8 माह हो जाने के बाद भी उक्त मांगों एवं समस्याओं को लेकर प्रबंधन का रवैया उदासीन बना हुआ है, यहां तक कि प्रबंधन द्वारा इन विषयों पर कोई बैठक या गंभीर चर्चा तक नहीं की जा रही है, जिससे श्रमिकों में काफी असंतोष है। इस सौजन्य मुलाकात व चर्चा में यूनियन की ओर से ज्ञानेंद्र सिंह,पुरषोत्तम सिमैया, प्रकाश क्षत्रीय, जे गुरुवुलू, रामाधीन, चार्ली वर्गिस, सुजीत कुमार मंडल, बालमुकुंद ठाकुर, मुकेश मानस, नकुल देवांगन, शशिकांत,इन्द्रदमन सिंह ओमप्रकाश, सुनील नोन्हारे, योगेश्वर, रोहित साहू, अजय चौबे एवं गंगाधर साहू, उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाओं को स्मार्ट बनाने एआई और चैटजीटीपी का प्रशिक्षण

धमतरी, 30 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैटजीटीपी के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जिला पंचायत धमतरी के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों के बेहतर विश्लेषण से लेकर रिपोर्ट तैयार करने और विभागीय कामकाज को अधिक सरल एवं व्यवस्थित बनाने में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाना रहा।

प्रशिक्षण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा आईएएस ने अधिकारियों-कर्मचारियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से समझने तथा सीखी गई तकनीकों का नियमित शासकीय कार्यों में उपयोग करने कहा। उन्होंने कहा कि ‚ढ्ढ जैसी आधुनिक तकनीक का सही इस्तेमाल कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मददगार हो सकता है। प्रशिक्षण में खंड चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर, ब्लॉक डेटा मैनेजर, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी तथा प्रत्येक विकासखंड से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए।

स्थानीय संसाधन, कौशल और शासकीय योजनाओं के अभिसरण से रोजगार एवं आजीविका के अवसर बढ़ाने पर जोर

सोलर दीदी' से लायब्रेरी तक, ग्रामीण विकास की नई संभावनाओं को कलेक्टर ने दी गति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी 30 अगस्त। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज कुरूद विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों का भ्रमण कर राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ, स्थानीय आवश्यकताओं तथा विकास की संभावनाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप ठोस एवं परिणाममूलक कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा एवं वनमंडलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए स्थानीय संसाधनों, मानव संसाधन और उपलब्ध अधोसंरचना को आपस में जोड़ते हुए रोजगार एवं आजीविका के स्थायी अवसर विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षा, सौर ऊर्जा, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वानिकी, पर्यटन, महिला स्व-सहायता समूहों, कौशल विकास, रोजगार तथा अधोसंरचना से संबंधित गतिविधियों को स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़कर आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

'सोलर दीदी' से ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर: कुरूद स्थित प्रथम अरोरा शिक्षण केंद्र में कलेक्टर ने 'सोलर दीदी' पहल के माध्यम से स्थानीय महिलाओं एवं युवाओं को सोलर पैनल के बेसिक प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा से जुड़ा कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रशिक्षित स्थानीय युवा एवं महिलाएं सोलर पैनल की स्थापना, रखरखाव एवं अन्य संबंधित सेवाओं के माध्यम से गांव स्तर पर ही रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण के साथ प्रतिभागियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की ठोस व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीण युवाओं के लिए शिक्षा और पुस्तकालय सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर: भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने लायब्रेरी एवं अध्ययन सुविधाओं को भी ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा शांत एवं सुविधाजनक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप लायब्रेरी सुविधाओं के विकास, आवश्यक पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री की उपलब्धता तथा युवाओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर पुस्तकालय सुविधाएं ग्रामीण युवाओं को शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेंगी।

आधुनिक तकनीक से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने पर जोर: भ्रमण के दौरान एग्री पायलट के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तकनीक एवं नवाचार को बढ़ावा देने, किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने तथा कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ एवं आय आधारित बनाने के लिए प्रभावी पहल करने के निर्देश दिए।

बिहान मार्ट से महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेगा बेहतर बाजार

चटौद स्थित बिहान मार्ट का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता, पैकेजिंग एवं बाजार की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर उनकी चुनौतियों और उत्पादों की बिक्री से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं व्यापक बाजार से जोड़ने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिहान मार्ट जैसे स्थानीय बाजार केंद्र महिला समूहों के उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। इससे महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ उनके आर्थिक स्वावलंबन को मजबूती मिलेगी।

एक नजर

जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल दिवस एवं खेल अलंकरण समारोह आयोजित

सक्ती, 30 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला-सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में खेल दिवस एवं खेल अलंकरण समारोह का आयोजन खेलो इंडिया लघु केंद्र (फुटबॉल), रगजा (सक्ती) में किया गया। इस अवसर पर शामिल जनप्रतिनिधियों ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करते हैं। जिले के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बीरेंद्र लकड़ा ने कहा कि जिले के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें बेहतर अवसर और मार्गदर्शन प्रदान कर उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्रम के दौरान अकलसरा एवं सक्ती के खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले में सक्ती के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जीत अपने नाम की। इस अवसर पर जिले में विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी खिलाड़ियों एवं खेल प्रशिक्षकों का सम्मान भी किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उन्हें निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खेलों को स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन एवं व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस दौरान एसडीएम सक्ती सुश्री कावेरी मरकाम, खेल अधिकारी श्री हरि पटेल, श्री अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, खेल प्रशिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

लोकपर्व भोजली तिहार पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी गाड़ा-गाड़ा बधाई

रायपुर, 30 अगस्त। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोकपरंपरा एवं संस्कृति के प्रतीक लोकपर्व भोजली तिहार के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को गाड़ा-गाड़ा बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भोजली तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और आपसी भाईचारे का सुंदर प्रतीक है। यह पर्व हमारी ग्रामीण जीवनशैली और लोक आस्थाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि भोजली केवल एक लोकपर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सामाजिक एकता, सौहार्द और सामूहिक खुशियों की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस पर्व की परंपराएं हमारी संस्कृति और लोक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का कार्य करती हैं। उन्होंने कामना की कि भोजली दाई की कृपा से प्रदेश में सुख-समृद्धि, हरियाली और खुशहाली बनी रहे तथा सभी परिवारों के जीवन में आनंद और उल्लास का संचार हो।

सक्ती जिले में एलपीजी रिफिल आपूर्ति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

सक्ती, 30 अगस्त। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा नगरदा, जिला सक्ती में संचालित इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटरशिप, मेसर्स नगरदा इंडेन ग्रामीण वितरक को प्रशासनिक कारणों से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इसके मद्देनजर नगरदा इंडेन ग्रामीण वितरक से रिफिल आपूर्ति प्राप्त करने वाले सभी सम्मानित इंडेन उपभोक्ताओं को निर्बाध रूप से एलपीजी सेवा उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। क्षेत्रवार व्यवस्था के तहत सक्ती एवं आसपास के इंडेन उपभोक्ताओं को मेसर्स पंचमुखी इंडेन, सक्ती द्वारा रिफिल की आपूर्ति की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ता 9131960294 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार नगरदा एवं आसपास के इंडेन उपभोक्ताओं को मेसर्स जैजैपुर इंडेन ग्रामीण वितरक, जैजैपुर द्वारा रिफिल की आपूर्ति की जाएगी। आवश्यकता होने पर उपभोक्ता +91-7477248920 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर उपभोक्ता इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडेन मंडल कार्यालय, रायपुर के संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। एलपीजी ग्राहक सेवा अधिकारी के संपर्क नंबर 0771-4313009 एवं 0771-4313026 हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उपभोक्ताओं को पूर्व की तरह खुदरा बिक्री मूल्य पर ही एलपीजी रिफिल की आपूर्ति की जाएगी। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर उपभोक्ता संबंधित वितरकों के दिए गए संपर्क नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। निलंबित नगरदा इंडेन ग्रामीण वितरक के सभी इंडेन उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से भी वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी दी जा रही है। इंडेन मंडल कार्यालय, रायपुर द्वारा जिला खाद्य अधिकारी, सक्ती एवं कार्यालय कलेक्टर, जिला सक्ती को भी उक्त वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी दी जा रही है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सभी उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि उन्हें नए वैकल्पिक एलपीजी वितरकों के माध्यम से समय पर एवं निर्बाध रूप से एलपीजी रिफिल की आपूर्ति मिलती रहेगी।

सावन में एक माह तक रामायण पाठ का अमृतपान किया लोगों ने

सर्व ब्राह्मण समाज बलौदा बाजार के आयोजन में समाजजनों ने लिया मानस पाठ का अमृतपान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदा बाजार 30 अगस्त। सर्व ब्राह्मण समाज बलौदा बाजार द्वारा पवित्र सावन मास के अवसर पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी एक माह तक लगातार श्रीरामचरितमानस मास पारायण पाठ का आयोजन किया गया। पूरे माह चले इस धार्मिक आयोजन में समाज के महिला, युवा एवं पुरुष वर्ग ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और प्रतिदिन श्रीरामचरितमानस के पाठ का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

मास पारायण पाठ का आयोजन प्रतिदिन शाम 5 बजे से 6 बजे तक किया जाता था। पाठ के दौरान पंडित विष्णु धर दीवान जी ने अपनी मधुर वाणी एवं सरल व्याख्या के माध्यम से श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों एवं प्रसंगों का सुंदर विश्लेषण किया। उन्होंने मानस की चौपाइयों में निहित भाव और शब्दों के अर्थ को अत्यंत सहज एवं प्रेमपूर्ण तरीके से श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे मनोयोग से मानस पाठ का आनंद लिया।

आयोजन के दौरान पंडित आशुतोष शर्मा द्वारा भी एक दिन गद्दीनशीन होकर श्रीरामचरितमानस का पाठ किया गया। पूरे माह समाज के सदस्यों ने नियमित रूप से पाठ में सहभागिता निभाते हुए धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण को बनाए रखा। मास पारायण के अंतिम दिवस हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें सुशील तिवारी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती तिवारी द्वारा विधि-विधान से हवन एवं पूजन संपन्न कराया गया। हवन में समाज के सदस्यों ने आहुति देकर समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की। इस धार्मिक आयोजन में सर्व ब्राह्मण समाज की महिला शक्ति, युवा वर्ग एवं पुरुष सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे माह नियमित रूप से मानस पाठ का अमृतपान करने वालों में पंडित श्याम शुक्ला, पंडित विष्णु धर दीवान, सुशील तिवारी, नरेंद्र शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, सुरेश चंद द्विवेदी राजेश द्विवेदी वीके मिश्रा संजय शर्मा सुरेंद्र वाजपेयी, मनोज दुबे, तरण ठाकुर, शिवनरेश मिश्रा, गार्गी शंकर वाजपेयी, आर्यन शुक्ला, देवेंद्र कश्यप, सोनचंद वर्मा, ऋचा द्विवेदी, श्रद्धा दुबे ममता शुक्ला बबली दुबे, शशि शुक्ला, सरस्वती तिवारी, कीर्ति शर्मा करुणा दुबे पिंकी मिश्रा वेद प्रकाश अवस्थी, आशुतोष शर्मा, रामाकांत झा, द्वारिका शास्त्री, प्रसन्न दीवान एवं दीपक यादव सहित अनेक समाजजन शामिल रहे। आयोजन के समापन अवसर पर समाजजनों ने कहा कि सावन जैसे पवित्र मास में श्रीरामचरितमानस का सामूहिक पाठ समाज में धार्मिक चेतना, संस्कार, एकता एवं आपसी सद्भाव को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। मास पारायण के सफल आयोजन के लिए सभी सहभागी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

कुएं के पानी से सामान्य ज्ञान परीक्षा तक पहुंचा भरतलाल का लोकगीत

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

साल्हेवारा 30 अगस्त। छत्तीसगढ़ की लोकमाटी में रचे-बसे गीत जब गांव की चौपाल से निकलकर जन-जन की जुबान पर चढ़ जाएं और फिर वही रचना सामान्य ज्ञान की परीक्षा में प्रश्न बनकर विद्यार्थियों तक पहुंचे, तो यह किसी लोक कलाकार के लिए गौरव की बात होती है। ग्राम रामपुर के वरिष्ठ लोक कलाकार, गीतकार, गायक, वादक एवं रंगकर्मी भरतलाल हरिन्द्र की रचना 'कुंआ के पानी, कुंवासी लागे' आज इसी गौरवपूर्ण यात्रा का उदाहरण बन गई है।

भरतलाल हरिन्द्र ने सुदूर वनांचल से अपनी लोककला की साधना प्रारंभ कर छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोकपरंपरा को अपनी रचनाओं के माध्यम से समृद्ध किया। उनकी चर्चित रचना 'कुंआ के पानी, कुंवासी लागे' को उन्होंने प्रसिद्ध लोकगायिका दुखिया बाई के साथ स्वर दिया, जिसने लोकप्रेमियों के बीच विशेष पहचान बनाई। गीत की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी इस रचना को हाल ही में सम्पन्न हुई 7वीं जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान परीक्षा में भी प्रश्न के रूप में शामिल किया गया। लोकगीत का सामान्य ज्ञान की परीक्षा में स्थान बनाना भरतलाल हरिन्द्र की रचनात्मक यात्रा की एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। इससे यह भी प्रमाणित होता है कि उनकी रचनाएं केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, बोली, परंपरा और ग्रामीण जीवन की पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं।

'कुंआ के पानी, कुंवासी लागे' की लोकप्रियता ने अब एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है। छत्तीसगढ़ी सिनेमा के निर्माता संतोष नारायण जी की आगामी छत्तीसगढ़ी फिल्म 'हरेली' में भी भरतलाल हरिन्द्र के गीतों को शामिल किया जाना प्रस्तावित है। एक ग्रामीण लोक साधक की रचनाओं का फिल्मी पर्दे तक पहुंचना उनकी वर्षों की साधना और प्रतिभा के प्रति महत्वपूर्ण सम्मान माना जा रहा है।

भरतलाल हरिन्द्र का जन्म 11 दिसंबर 1958 को ग्राम रामपुर, तहसील साल्हेवारा, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में हुआ। उनके पिता स्व. श्री गेन्दलाल हरिन्द्र एवं माता स्व. श्रीमती कुंवारियां बाई हरिन्द्र थीं। आठवीं तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने कृषि को अपना व्यवसाय बनाया, लेकिन संगीत और लोककला के प्रति उनका अनुराग बचपन से ही रहा। महज 16 वर्ष की उम्र में उन्होंने छत्तीसगढ़ी नाच पार्टी में बेंजो वादक के रूप में कला-यात्रा प्रारंभ की। आगे चलकर वे प्रख्यात लोककलाकार श्री धुरवाराम मरकाम द्वारा स्थापित लोक कला मंच 'मया के फूल' से जुड़े। यहां उन्होंने गायन, वादन और अभिनय के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा लगभग सात वर्षों तक लोककला की साधना की। इसी दौरान आकाशवाणी रायपुर में 'धुरवाराम मरकाम और साथी' के नाम से उनका स्वर परीक्षण हुआ। बाद में उन्होंने अपने लिखे गीतों को प्रसिद्ध लोकगायिका दुखिया बाई के साथ स्वर दिया और उनकी रचनाओं का प्रसारण आकाशवाणी रायपुर से हुआ। 'संझा के बेरिया', 'कुंआ के पानी', 'ये भारत के माटी', 'आ दुनों संग मा' सहित अनेक रचनाओं ने उन्हें लोककला के क्षेत्र में पहचान दिलाई।

वर्ष 1988 में उन्होंने अपने गृह ग्राम रामपुर में सांस्कृतिक संस्था 'फुलवारी' की स्थापना कर लोककला को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। बाद में उन्होंने अपने नाम से आकाशवाणी रायपुर में पुनः स्वर परीक्षण दिया और सफलता हासिल की। उनकी अनेक रचनाओं को आकाशवाणी से प्रसारण का अवसर मिला। उनकी रचनाओं को छत्तीसगढ़ के चर्चित गायकों अनुराग शर्मा, महादेव हिरवानी एवं विवेक शर्मा सहित अन्य कलाकारों ने भी अपनी आवाज दी है। यह किसी भी गीतकार के लिए बड़ी उपलब्धि है कि उसकी रचना दूसरे कलाकारों द्वारा अपनाई जाए और श्रोताओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाए। भरतलाल हरिन्द्र की विशेषता यह है कि उन्होंने लोककला को महज मनोरंजन का माध्यम नहीं माना, बल्कि छत्तीसगढ़ की माटी, लोकजीवन, परंपरा और भावनाओं की अभिव्यक्ति के रूप में जिया।

साइबर जागृति अभियान' में राज्यपाल रमेन डेका ने ली 'जागरूकता की सेल्फी'

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार-भाटापारा, 30 अगस्त। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी एवं डिजिटल फ्रॉड से बचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेशभर में 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है। 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए 'जागरूकता की एक सेल्फी' पहल शुरू की गई है।

इसी क्रम में 29 अगस्त को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम चांपा प्रवास कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, राज्य की प्रथम महिला तथा राज्यपाल के एडीसी श्री उदित पुष्कर ने अभियान में सहभागिता की। उन्होंने आधिकारिक पोस्टर पर उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन कर 'जागरूकता की सेल्फी' ली।

राज्यपाल रमेन डेका ने आम नागरिकों और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है और प्रत्येक नागरिक की सतर्कता से 'साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प को मजबूत किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ पुलिस के आधिकारिक बैनर या पोस्टर पर दिए गए क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर निर्धारित लिंक अथवा ऐप्प के माध्यम से 'जागरूकता की सेल्फी' ली जा सकती है। इसके बाद इस सेल्फी को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सकता है।

साइबर ठग खुद को पुलिस, सीबीआई या ट्राई अधिकारी बताकर अवैध पार्सल अथवा किसी आपराधिक मामले में फंसाने की धमकी देते हैं और वीडियो कॉल के जरिए 'डिजिटल अरेस्ट' का डर पैदा करते हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट नहीं करती और न ही ऑनलाइन पैसे की मांग करती है। ऐसे कॉल आने पर तुरंत फोन काटकर पुलिस को सूचना दें।

महतारी वंदन की 31वीं किस्त से लक्ष्मी यादव की राखी हुई खास

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 30 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन पर्व के पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि खाते में पहुंचने से राजनांदगांव के दुर्गाचौक निवासी श्रीमती लक्ष्मी यादव के चेहरे में खुशी आ गई। त्योहार से पहले आर्थिक सहायता मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने बहनों की जरूरतों और खुशियों का ध्यान रखते हुए राखी के पहले यह राशि भेजकर त्योहार की खुशी बढ़ा दी है। श्रीमती लक्ष्मी यादव ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा विष्णु भैया राखी तिहार ला अच्छे से मनाए बर बहिनीमन ला महतारी वंदन योजना के राशि दे हे, जेकर खातिर आज राखी तिहार ल बहुत बढिया से मनाए हन। एकर बर विष्णु भैया ल बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती लक्ष्मी ने कहा कि विष्णु भैया बहनों की चिंता करते हुए त्योहार के पहले ही उपहार भेजे हैं। हर महीने समय पर मिलने वाली महतारी वंदन योजना की राशि हम बहनों के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और घर-परिवार की अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। त्योहार के समय आर्थिक सहायता मिलने से घर की खुशियां और बढ़ जाती हैं। राखी के पहले राशि मिलने से उन्हें त्योहार की तैयारियां करने में सहूलियत मिली और परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व खुशी से मनाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ ही उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ा रही है। नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से महिलाएं अपनी और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में अधिक सक्षम हो रही हैं। श्रीमती लक्ष्मी यादव ने महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं के हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर महापौर ने किया माल्यार्पण

राजनांदगांव 30 अगस्त। महान हॉकी खिलाडी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर गौरव पथ के पास स्थापित उनकी प्रतिमा स्थल में आयोजित कार्यक्रम में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धापूर्वक नमन किये। इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा व श्री शैकी बग्गा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु, पार्षद श्री रवि सिन्हा व श्री मनोहर यादव सहित खेल जगत से जुडे खिलाडी एवं वरिष्ठजन की विशेष उपस्थिति रही। मेजर ध्यानचंद जी की जयंती अवसर पर आयोजित खेल रैली में महापौर श्री यादव शामिल हुए। कार्यक्रम में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने मेजर ध्यानचंद की जयंती की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि मेजर ध्यानचंद जी खेल में विलक्षण प्रतिभा के धनी थें, इसलिए उन्हे हॉकी का जादूगर कहा जाता था। उनका जन्म 29 अगस्त 1905 में हुआ था, और उनकी जयन्ती को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। खेल जगत में उनके अद्वितीय योगदान, समर्पण और देश के गौरव को बढाने वाली उपलब्धिया सदैव हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी हॉकी की नर्सरी के नाम से जाना जाता है और राजनांदगांव वापस हॉकी की नर्सरी की ओर बढ रहा है। हमारे सीनियर खिलाडी एवं जिला हॉकी संघ लगातार मेहनत कर रहे है, कि नये खिलाडी आए इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। महापौर ने कहा कि हमारे शहर के खिलाडी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल का प्रदर्शन कर शहर का नाम रोशन कर रहे है, इनमे प्रमुख रूप से महक निर्वासे, रेणुका यादव, ज्ञानेश्वरी यादव है। उन्होंने कहा कि इस बार भी शहर में राष्ट्रीय टुनामेंट होगा, नया एस्टोटर्फ भी लगेगा। ध्यानचंद जी की प्रतिमा पुरानी हो गयी है, प्रतिमा स्थल का जीर्णोद्धार कर सभी नई प्रतिमा लगाकर सौदर्यीकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नई पीढी के खिलाडी जिम्मेदारी पूर्वक हॉकी खेल अपना जोहर दिखाए, तभी मेजर ध्यानचंद जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों में एक की मौके पर मौत

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

चारामा 30 अगस्त। चारामा के समीप नेशनल हाईवे-30 में बाबूकोहका के पास शनिवार दोपहर भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें बाइक सवार तीन युवकों की सामने से आ रही टाटा सफारी वाहन से आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से चारामा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह हादसा दोपहर लगभग दो बजे हुआ है, बाइक पर सवार तीन युवक नेशनल हाईवे-30 से गुजर रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा सफारी वाहन से उनकी जोरदार आमने-सामने की टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायलों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से चारामा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र नगरी में गूंजा पवित्रता और आत्मबल का संदेश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 30 अगस्त। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवाकेंद्र नगरी में रक्षाबंधन का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक भावनाओं के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भाई-बहनों ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए परमात्मा स्मृति, पवित्रता और सकारात्मक जीवन का संकल्प लिया।

आयोजन में जिला धमतरी की इंचार्ज राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने उपस्थित भाई-बहनों को आत्मस्मृति का दिव्य तिलक लगाकर परमात्मा स्नेह का रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान सेवाकेंद्र का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रेम और भाईचारे से ओत-प्रोत रहा।

अपने आध्यात्मिक संबोधन में सरिता दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक कमजोरियों और नकारात्मक विचारों से स्वयं की रक्षा करने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी विकारों से मुक्त होकर पवित्रता को जीवन में धारण करना ही सच्ची सुरक्षा है।

वास्तविक शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि ईश्वर की याद, पवित्रता और आत्मबल में निहित है। यदि मन में शुभ संकल्प, सकारात्मक विचार और परमात्मा का स्मरण हो तो जीवन में सुख, शांति और संतुलन की अनुभूति बनी रहती है।

दीदी ने उपस्थितजनों से सुख, शांति, प्रेम, माधुर्यता, नम्रता और शुभ संकल्पों को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आपसी प्रेम एवं सद्भाव के साथ रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम में रक्षासूत्र को केवल भाई-बहन के रिश्ते की सुरक्षा का प्रतीक न मानकर आत्म-संयम, पवित्रता और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का संकल्प सूत्र बताया गया। उपस्थित भाई-बहनों ने अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और समाज में प्रेम, शांति एवं सद्भाव का वातावरण बनाने का संकल्प लिया।

आध्यात्मिक संदेशों और रक्षासूत्र बांधने की रस्म के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि बाहरी सुरक्षा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण मन और विचारों की पवित्रता की रक्षा है। यही रक्षाबंधन के पर्व का वास्तविक आध्यात्मिक सार है।

पीएम आवास योजना की कथित गड़बड़ी की जांच करेंगे कांग्रेस नेता

बीजापुर 30 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना में हुए कथित भष्टाचार का मामला अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की राशि हड़पने के गंभीर आरोपों के मामले में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर मामले की जांच के लिए 7 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 29 अगस्त को जारी पत्र के अनुसार बीजापुर जिले के संबंधित जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की राशि हड़पने और ग्रामीणों से जुड़े गंभीर आरोपों की जांच के लिए समिति बनाई गई है। हाल ही में बीजापुर के बोडगा गांव से भी हितग्राहियों ने आवास योजना की किस्त की राशि में कथित गड़बड़ी और जांच की मांग को लेकर शिकायत की थी। जांच समिति में बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी को संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, वरिष्ठ कांग्रेस सदस्य लक्खू मरकाम और लक्ष्मी वाचम को शामिल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने समिति को निर्देशित किया है कि वह गांव का दौरा कर पीड़ित एवं स्थानीय ग्रामीणों से भेंट कर मामले की गहन जांच करे और पूरी स्थिति का प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपे। कांग्रेस के इस कदम के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि में कथित अनियमितता का मामला और गरमा गया है। समिति अब गांव पहुंचकर हितग्राहियों के बयान, बैंक खातों से राशि निकासी और संबंधित पंचायत स्तर पर हुए लेन-देन की जानकारी जुटाएगी। जांच के बाद मामले में कथित रूप से जिम्मेदार लोगों की भूमिका को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मैं दिया हूँ, मेरी दुश्मनी तो अँधेरे से है... हवा तो बेवजह ही मेरे खिलाफ है...

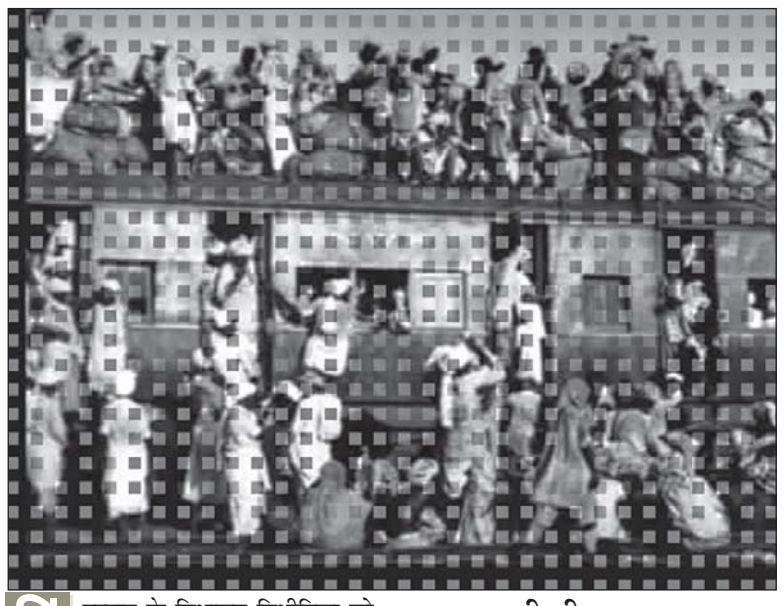

हिंदुस्तान के विभाजन विभीषिका को 'स्मृति दिवस' मनाने के बहाने तब के राष्ट्रीय नेताओं को कोसनेवाली भाजपा तो सरदार पटेल का भी अपमान कर रही है। सरदार ने विभाजन के बारे में दिये गये एक भाषण के अंश पढ़ें.... हमने हिंदुस्तान के टुकड़े किया जाना कबूल कर लिया। लोग कहते हैं कि हमने ऐसा क्यों किया, यह गलती थी...? मैं अभी तक नहीं मानता हूँ, हमने कोई भी गलती की, साथ ही यह मानता हूं, अगर हिंदुस्तान के टुकड़े मंजूर नहीं किये होते तो आज जो हालात हैं उस से भी बहुत बुरी हालत होने वाली थी...।

हिंदुस्तान के दो नहीं बल्कि अनेक टुकड़े हो जाने वाले थे।हमने माना कि ठीक है, अलग घर लेकरअपना भाई शांत हो जाता है और अपना घर संभाल लेता है तो हम अपना घर संभाल लेंगे!लेकिन यह उम्मीद की थी कि हम शांति से अपना काम करेंगे।उसमें हमारी गलती हुई, यह नहीं कहता- टुकड़े करने में हमारी गलती हुई, गलती इसमें हुई कि टुकड़े के बाद हमने वह काम किया जो हमें नहीं करना था। आजादी के बाद दुनिया में हमारी इज्जत बढ़ी थी।15 अग स्त के बाद दुनिया में हमारी एक जगह बन गई थी। हम उससे बहुत नीचे गिर गये। (सरदार पटेल का यह भाषण 'भारत की एकता का निर्माण' पुस्तक से)

बस्तर का ही सीएम अभी तक नहीं...?

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के पहले मप्र के श्यामा चरण शुक्ला, मोतीलाल वोरा के सीएम बनने के कारण रायपुर, दुर्ग जिला चर्चा में रहा था, मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष बनने के कारण बिलास पुर जिला भारी था। छ्ग बनने पर पहले सीएम अजीत जोगी बने और बिलासपुर का दबदबा फिर बढ़ गया था, बाद में भाजपा के डॉ रमन सिंह लगातार 15 साल सीएम रहे तो दुर्ग संभाग सहित कवर्धा, राजनांद गांव जिला चर्चा में रहा। बाद में कांग्रेस की सर कार बनी, दुर्ग जिला पाटन के भूपेश बघेल सीएम बने तो भी फिर दुर्ग जिले का महत्व बढ़ा, उनके मंत्रिमंडल में दमदार मंत्री ताम्रध्वज साहू, रविंद्र चौबे, मो.अकबर, रूद्र गुरु (दुर्ग संभाग विधायक) वहीं के थे। सरगुजा से पहली बार विष्णुदेव साय सी एम बने हैं अब सरगुजा भी चर्चा में आ गया है...., पहले डिप्टी सीएम, टी एस बाबा भी बन चुके हैं तो सारंगढ़ से ही कुछ दिनों के लिये ही सही राजा नरेश सिंह मप्र के सीएम रह चुके हैं। बस अब बस्तर ही बच जाता है, जहां अभी तक कोई सीएम नहीं बना है....? वैसे बस्तर में भी सीएम पद के दावेदारों की कमी नहीं है, कभीआदिवासी महिला सीएम का मौका आया तो लता उसेंडी मजबूत दावेदार बनेंगी, केदार कश्यप का नाम तो है ही वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का नाम भी भविष्य में उभर सकता है।

सील्ड लिफाफे में एंडोस्कोपी कैमरा डालकर पेपर लीक...

डीसीपी तारकेश्वर पटैल के नेतृत्व में तकनीकी मामले में सफलता मिली है।दुर्ग में एक प्रोफेसर ने इंडोस्कोपी कैमरे से ही स्कैन कर पेपरलीक किया। पेपर सीलबंद लिफाफे में था।प्रो.ने सुई से छेद किया, एंडोस्कोपी कैमरे को लिफाफे में बने छोटे छेद से अंदर डाल कर पेपर स्कैन किया। बाद में कंटेंट को हाथ से लिख छात्रों को 11-11 हजार ? में बेच दिया।पुलिस ने प्रो. समेत 6 को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी तारकेश्वर पटेल के मुताबिक, इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय के बीएससी, कृषि फर्स्ट ईयर के प्लांट पैथोलॉजी, सेकंड ईयर के दूसरे के कीटशास्त्र का पेपर लीक हुआ है। पेपर तो स्थगित किया गया वहीं जाँच समिति का भी गठन किया गया है।

12 कलेक्टर, 4 एसपी, 2 पुलिस उपायुक्त महिला...

छत्तीसगढ़ मे महिला कलेक्टरों की संख्या बढ़ कर रिकॉर्ड 12 हो गई है, तो केवल 4 जिलों में ही महिला एसपी को जिम्मेदारी दी गई है।सन 2000 में राज्य बनने के बाद पहली बार 12 महिलाएं जिलों का नेतृत्व कर रही हैं।राज्य के कुल 33 जिलों में एक तिहाई से अधिक में पहली बार कलेक्टर हैं। अभी कोंडागांव से नूपुर राशि पन्ना, बेमेतरा प्रतिष्ठा ममगई, नारायणपुर नम्रता जैन, सूरजपुर रैना जमील, बालोद दिव्या मिश्रा, सक्ती जयश्रीजैन, कबीरधाम से तूलिका प्रजापति, सारंगढ़ से पद्मिनी भोई, मोहला-मानपुर तनुजा सलाम, बलरामपुर-रामानुजगंज चंदन त्रिपाठी, एमसीबी से संतनदेवी जांगड़े शामिल हैं, कोरिया से रोक्तिमा यादव। इधर 4 महिला अफसरों को एसपी तो 2 को डीसीपी की जिम्मे दारी दी गई है। रायपुर ग्रामीण की एसपी श्वेता श्रीवास्तवसिन्हा, राज नांदगांव अंकिता शर्मा, धमतरी भावना पांडे तो मनेन्द्रगढ़ की एसपी रत्ना सिंह को बनाया गया हैं, पुलिस कमिश्नरी में डीसीपी (उपायुक्त) अर्चना झा, दीपमाला कश्यप को जिम्मेदारी दी गई है।

और अब बस...

- » केंद्र सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी)मॉडल के तहत रायपुर समेत देश के 11 हवाई अड्डों को 50 साल की लीज पर निजी हाथों में सौंपने की योजना को मंजूरी दी है।
- » इंदौर बिलासपुर और छत्तीसगढ़ जाने वाले रेलयात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है रेलवे ने इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस कोबिला सपुर तक विस्तार देने का प्रस्ताव तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजा है।
- » बेमेतरा जिले के ग्राम पथर्रा में स्थापित ओपन जेल के संचालन को ले हाईकोर्ट ने सरकार को जरुरी व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने निर्देश दिया है।

एक नजर

हल्बी भाषा के समाचार पत्र से समृद्ध हुआ संग्रहालय

बस्तरिया
देश ने भारी दुःख बियापली!
राष्ट्रपति को संदेश
उपराष्ट्रपति बलसा
इंदिरा-बहान

रायपुर, 30 अगस्त। बस्तरिया नामक हल्बी भाषा का साप्ताहिक समाचार पत्र, जिसका प्रकाशन लगभग 35 से अधिक वर्ष पूर्व बंद हो चुका है की नवंबर 1984 की दो प्रतियां नारायणी बहुभाषी संग्रहालय को प्राप्त हुई। संग्रहालय के राजेंद्र ओझा ने बताया कि दो – तीन माह पूर्व रुद्रनारायण पाणिग्रही जी से इस समाचार पत्र के बारे में जानकारी मिली थी और लगातार किए गए प्रयास से समाचार पत्र के संपादक लाला जगदलपुरी जी के पुत्र विनय श्रीवास्तव जी से दो प्रतियां प्राप्त हुई। उन्होंने यह भी कहा कि यह संग्रहालय के लिए ही नहीं बल्कि प्रदेश के लिए भी गौरव की बात है।

पूर्णाहुति महोत्सव में आज भजन

रायपुर, 30 अगस्त। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा जिनकुशल सुरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में जारी 21 दिवसीय इक्तिसा जाप के पूर्णाहुति महोत्सव में 30 अगस्त रात्रि 8 बजे से सुप्रसिद्ध भजन सम्राट छत्तीसगढ़ गौरव राहुल झाबक गुरुभक्ति की प्रस्तुति देंगे। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इक्तिसा जाप पूर्णाहुति महोत्सव 30 अगस्त को बम्पर लक्की ड्रा द्वारा जैन समाज में कंप्यूटरीकृत एजुकेशन को प्रोत्साहित करने लैपटॉप प्रदान किया जायेगा। बम्फर ड्रॉ लेपटॉप श्रीमती चमेला देवी चौधरी सजंय अजय आलोक चौधरी परिवार की सौजन्यता से प्रदान किया जावेगा। दादागुरुदेव इक्तिसा जाप में आज विरति मण्डल की लब्धि भन्साली, हर्षित बोथरा व परिधि व प्रनीत भन्साली ने दादागुरुदेव की भक्ति का रंग जमाया।

यूसीसी के सम्बंध में सुझाव देने के लिए मुस्लिम समाज की बैठक

रायपुर, 30 अगस्त। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है जिसमें राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है, उक्त समिति को रायपुर मुस्लिम समाज की ओर से सुझाव दिये जाने के सम्बंध में 1 सितम्बर को स्थान–गुरू घांसीदास ऑडिटोरियम, कार्यालय छ.ग. राज्य वक्फबोर्ड के सामने, कलेक्ट्रेट चैक रायपुर में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई है। बैठक में मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवीयों द्वारा दिये गये सुझाव को एकत्रित किया जायेगा जिस हेतु रायपुर की समस्त मस्जिदों में जुमा को ऐलान के माध्यम से सूचित किया गया है और यू.सी.सी. के सम्बंध में सुझाव लिखित में अध्यक्ष, समान नागरिक संहिता समिति, छत्तीसगढ़ के नाम से सम्बोधित करते हुए प्रस्तुत करने कहा गया है। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शहर काजी जनाब कारी डॉ. मोहम्मद इमरान अशरफी साहब, अध्यक्षता के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता जनाब फैसल रिवजी साहब उपस्थित रहेंगे।

महादेव ऐप के 97 आरोपियों को सीजीएसटी का नोटिस

रायपुर, 30 अगस्त। महादेव ऐप के अवैध सट्टा कारोबार पर सेंट्रल जीएसटी ने बेहद सख्त कदम उठाया है। जांच एजेंसी की चार्जशीट में नामजद सभी 97 लोगों को टैक्स का नोटिस भेजा जा रहा है। कुल 1 करोड़ 45 लाख रुपए के अवैध कारोबार पर 40603 करोड़ रुपए का टैक्स तय किया गया है। इसमें सबसे ज्यादा टैक्स ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल पर निकला है। विभाग ने ई-मेल, डाक और कर्मचारियों के माध्यम से दस्तावेजों की डिलीवरी शुरू कर दी है।

राज्य बजट के बराबर अवैध सट्टा : छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क बहुत तेजी से फैला था। अब सेंट्रल जीएसटी ने इस पर भारी टैक्स लगा दिया है। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक यह अवैध कारोबार राज्य बजट के करीब पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ का वार्षिक बजट करीब 1.72 लाख करोड़ रुपए पेश किया गया था। वहीं महादेव ऐप का अवैध सट्टा कारोबार 1.45 लाख करोड़ रुपए आंका गया है। यह आंकड़ा 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2024 की अवधि का है। इसके बाद भी अन्य वेबसाइटों के जरिए अरबों का खेल जारी रहने की आशंका है।

97 आरोपियों पर कसता कानूनी शिकंजा: सेंट्रल जीएसटी ने प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट के आधार पर यह कदम उठाया है। मामले के सभी 97 आरोपियों को टैक्स भुगतान के नोटिस जारी किए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा टैक्स देनदारी ऐप के मुख्य फाउंडर सौरभ चंद्राकर और को-फाउंडर रवि उप्पल पर बनी है। इसके अलावा बाकी कारोबार और विभिन्न पैनलों का संचालन करने वालों से भी जवाब मांगा गया है। करीब 1000 करोड़ रुपए का टैक्स केवल पैनल संचालकों पर निकाला गया है।

समन और पूछताछ के बाद जारी हुआ नोटिस: अधिकारियों ने कार्रवाई करने से पहले पूरी कानूनी प्रक्रिया अपनाई है। पिछले छह महीनों में सभी आरोपियों को समन जारी कर दफ्तर बुलाया गया था। अधिकारियों ने प्रत्येक व्यक्ति से सट्टा कारोबार के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

हालांकि कई संचालकों ने पैनल चलाने की बात से साफ इनकार किया। इसके बाद जांच एजेंसियों की चार्जशीट से पुख्ता दस्तावेज और प्रमाण हासिल किए गए। इन्हीं दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर अब अंतिम टैक्स नोटिस जारी किया जा रहा है।

पैनल संचालकों की बंपर कमाई पर टैक्स: जांच में खुलासा हुआ कि ऐप का संचालन करने वाले हर महीने मोटी कमाई कर रहे थे। पैनल चलाने वाले आरोपियों ने 10 से 50 करोड़ रुपए तक की अवैध कमाई की थी। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे हर हफ्ते 10 से 20 लाख रुपए का कारोबार करते थे। इसके बदले उन्हें 35 प्रतिशत तक का मोटा कमीशन मिलता था। कर विभाग ने इसी कमाई के आधार पर टैक्स की गणना की है। इसके अतिरिक्त पिछले पांच साल का सरचार्ज भी जोड़ा गया है।

नजरअंदाज करने पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

टैक्स विभाग के अधिकारियों ने साफकिया है कि नोटिस का जवाब देना अनिवार्य होगा। यदि नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नोटिस को अनदेखा करने या इग्नोर करने वालों पर विभाग सख्त रुख अपनाएगा। ऐसे मामलों में रिकवरी के लिए आरोपियों की चल-अचल संपत्तियां भी जब्त की जा सकती हैं। फिलहाल इस बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के बाद सट्टा कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

रेलवे ट्रैक के किनारे सेफ्टी फेंसिंग के कार्य में आई तेजी

रायपुर, 30 अगस्त। रेल यात्रियों एवं आम जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रायपुर रेल मंडल द्वारा रेलवे ट्रैक के किनारे सेफ्टी फेंसिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। बिलासपुर-दुर्ग सेक्शन में कुल 273 किमी के दायरे में सेफ्टी फेंसिंग का प्रावधान किया गया है, जिसमें से अब तक 165.9 किमी (166 किलोमीटर) में कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

रेलवे ट्रैक के आसपास अनधिकृत प्रवेश को रोकने में सेफ्टी फेंसिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके माध्यम से पैदल यात्रियों को अनजाने में रेलवे ट्रैक पर प्रवेश करने से रोकने के साथ-साथ मवेशियों एवं जंगली जानवरों के ट्रैक पर आने की संभावना को भी कम किया जाता है। इससे ट्रैक पर होने वाली दुर्घटनाओं, ट्रेन संचालन में व्यवधान तथा रेलवे परिसंपत्तियों को होने वाले नुकसान के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। 130 किमी प्रति घंटे तक यात्री ट्रेनों की गति बढ़ाने की दिशा में भी सेफ्टी फेंसिंग महत्वपूर्ण आवश्यकता है। अधिक गति से चलने वाली ट्रेनों के सामने मवेशियों अथवा जंगली जानवरों के अचानक आ जाने से दुर्घटना की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी घटनाओं से रेल परिचालन प्रभावित होने के साथ-साथ कोच एवं अन्य रेल परिसंपत्तियों को नुकसान तथा यात्रियों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। सेफ्टी फेंसिंग के माध्यम से रेलवे ट्रैक के आसपास एक सुरक्षित एवं नियंत्रित कॉरिडोर तैयार होता है, जिससे इस प्रकार के जोखिमों को कम किया जा सकता है। इससे सुरक्षित, तेज एवं सुचारू रेल परिचालन को बढ़ावा मिलता है तथा भविष्य में ट्रेनों की गति बढ़ाने से संबंधित योजनाओं को भी मजबूती मिलती है। रायपुर रेल मंडल द्वारा सेफ्टी फेंसिंग के कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे रेल यात्रियों, आम जनता तथा रेल परिचालन की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

हमारे खिलाड़ी कॉफी टेबल बुक का सीएम ने किया विमोचन

रायपुर, 30 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस पर रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हमारे खिलाड़ी नामक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। इसमें छत्तीसगढ़ के वर्ष 2000 से अगस्त 2026 तक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न ओलंपिक व नान ओलंपिक तथा पारंपरिक खेलों में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों का जीवन परिचय, खेल यात्रा, उपलब्धियां तथा योगदान का विवरण दिया गया है। इसमें शामिल खिलाड़ियों में ज्ञानेश्वरी यादव भारोत्तोलन, रेणुका यादव हाकी, राजेंद्र प्रसाद मुक्केबाजी, सबा अंजुम हाकी, संजू देवी रावत कबड्डी, अंजू लकरा बास्केटबाल, आकर्षि कश्यप बैडमिंटन, किरण पिसदा फुटबाल, नेहा बजाज नेटबाल, लोमन कुमार साहू तीरंदाजी, नवीन जिंदल निशानेबाजी, दीपक कंवर साफ्टबाल, संजय शर्मा शरीर सौष्ठव, राकेश कुमार मलखंब, प्रकाश साहू योगासन, कृष्णा साहू शक्तितोलन, अमनदीप खरे क्रिकेट, रविकुमार शतरंज, पिंकी साहू कैनोइंग, थोटा संकीर्तना एथलेटिक्स, शिवाक्ष साहू तैराकी, रंजीता कोरेटी जूडो, एम संतोष राव साइकल पोलो, आशीष अरोरा व्हालीबाल, पद्मश्री लेसली क्लाडियस हाकी, बीडी कारुपति- हैंडबाल, विक्रम सिंह सिसोदिया खेल प्रशासन, जसवंत कुमार क्लाडियस खेल मीडिया के नाम शामिल हैं। यह पुस्तक प्रदेश के खिलाड़ियों की उपलब्धियों को एक जगह दर्ज करने के साथ ही छत्तीसगढ़ की खेल विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराने का काम करेगी। उपरोक्त कॉफी टेबल बक हमारे खिलाड़ी के लिए मुख्यमंत्री का अग्रलेख है जबकि प्रस्तावना वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार जसवंत क्लाडियस का है जिन्होंने इस पुस्तक का संकलन व संपादन किया है।

छात्राओं ने बाल आश्रम में मनाया रक्षाबंधन

रायपुर, 30 अगस्त। छत्रपति शिवाजी स्कूल की छात्राओं ने प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रक्षाबंधन का पर्व कचहरी चौक स्थित बाल आश्रम के बच्चों के साथ मनाया। शिवाजी स्कूल द्वारा बाल आश्रम में रक्षा पर्व मनाने की शुरुआत 2006 में की गई थी जो बीस वर्ष बाद भी जारी है। छात्राओं रुचि सोनी और गुलाफ्शा खातून ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए इसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। छात्राओं खुशी लेडवानी, प्रियंका हेमनानी, जिया अग्रवाल, पलक जेठानी ने गीत व नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। बाल आश्रम के बच्चों ने भी गीत व नृत्य प्रस्तुत किया।स्कूल संचालक मुकेश शाह, प्राचार्या नफीसा रंगवाला व रशीदा फज़ली ने विद्यार्थियों को संबोधित किया व उनके मार्गदर्शन में बच्चों ने बड़े होकर महिलाओं के सम्मान का, समाज के जरुरतमंदों की सेवा का एवं अपने आसपास हमेशा साफसफाई रखने का संकल्प लिया।

मन की बात

रायपुर, 30 दिसम्बर। भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने जिला किसान मोर्चा के तत्वावधान में ग्राम जुलुम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 137 वे एपिसोड का प्रसारण सुना। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य देवकर साहेब, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, किसान मोर्चा के प्रभारी यशवंत वर्मा, जिला किसान मोर्चा के अध्यक्ष परदेशी राम साहू, खेलराम साहू, पारस साहू, हृदय राम साहू, नारायण यादव, ईश्वर साहू, माधव मिरी, देवेन्द्र साहू, किशोर साहू, रामकुमार साहू, अश्विनी साहू, भेखराम साहू, अनिल साहू, हरिश्चंद्र साहू, हरीश वर्मा आदि उपस्थित थे.

गुढ़ियारी में 15 लाख की दही हांडी के लिए मचेगी होड़

रायपुर, 30 अगस्त। गुढ़ियारी में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर सार्वजनिक दही हांडी उत्सव समिति एवं श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट के विशेष सहयोग से 5 सितंबर को विशाल दही हांडी उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से अवधपुरी मैदान, दही हांडी उत्सव स्थल, श्रीनगर रोड, गुढ़ियारी में आयोजित होगा। आयोजन के 16वें वर्ष में इस बार दही हांडी प्रतियोगिता को और भव्य रूप दिया गया है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड, ओडिशा सहित अन्य राज्यों की गोविंदा टोलियां हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के विजेता दल को 15 लाख रुपये की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं अन्य प्रतिभागी गोविंदा टोलियों को भी समिति की ओर से सांत्वना राशि दी जाएगी।

समिति के संयोजक बसंत अग्रवाल एवं सह-संयोजक हेमेन्द्र साहू ने बताया कि अब तक रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव सहित विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 26 गोविंदा टोलियों एवं महिला गोविंदा टोलियों ने पंजीयन कराया है। महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश के भण्डारा इंदौर और जबलपुर से भी टोलियों ने अपना नाम दर्ज कराया है। प्रतियोगिता में भाग लेना पूर्णतः निःशुल्क है।

बी प्राक की आवाज पर झूमेंगे युवा : दही हांडी उत्सव में इस वर्ष धार्मिक आयोजन के साथ-साथ भव्य सांस्कृतिक संध्या भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। सुपरस्टार एवं यूथ फेम बी प्राक, अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा एवं छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका गरिमा स्वर्णा दिवाकर अपनी शानदार प्रस्तुतियां देंगे। आयोजन में बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त और तद्गठ्ठ युवा शामिल होंगे।

पुरुष, महिला और ग्रीस युक्त खंभा दही हांडी विशेष आकर्षण: इस बार भी आयोजन में पुरुष दही हांडी, महिला दही हांडी एवं ग्रीस युक्त खंभा दही हांडी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। विभिन्न राज्यों से आने वाली गोविंदा टोलियां अपने साहस, उत्साह और टीम भावना का प्रदर्शन करेंगी। श्रद्धालुओं एवं गोविंदा टोलियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा प्रशासन के सहयोग से पुलिस व्यवस्था, प्राथमिक उपचार केंद्र एवं आपातकालीन स्थिति के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26